RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www. bordernewsmirror.com

# बॉर्डर न्यूज मिरर

“खबरों से समझौता नहीं”

पटना, वर्षः 7 , अंकः 200 , बुधवार, 02 सितंबर 2026 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

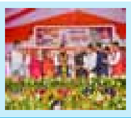

मोतिहारी में चीनी मिल की राह खुलेगी, मेडिकल कॉलेज से लेकर मरीन ड्राइव तक कई बड़ी ... 03

12 सितंबर की राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए जागरूकता अभियान शुरू 04

यमला पगला दीवाना फिर से के 8 साल: कैसे कृति खरबंदा ने देओल... 07

## नेपाल में फिर बाढ़ का अलर्ट, भय का माहौल

### नदियों का जलस्तर बढ़ा, मौत का आंकड़ा 1 हजार के पार

### सबसे ज्यादा चितवन में 321 शव बरामद, ऑपरेशन जारी

**काठमांडू (एजेंसी)।** नेपाल में नदियों का जलस्तर बढ़ने के बाद 7 जिलों में बाढ़ का नया अलर्ट जारी किया गया है। अधिकारियों ने रसुवा, नुवाकोट, धादिंग, गोरखा, तनहूं, नवलपरासी और चितवन जिलों में नदियों के किनारे बसे इलाकों के लिए चेतावनी जारी की है। 26 अगस्त को तिब्बत में ग्लेशियर टूटने के बाद नेपाल के कई इलाकों में अचानक बाढ़ और भूस्खलन

हुआ। इस आपदा में मौत का आंकड़ा 1 हजार के पार हो चुका है। नेपाल में 1003 और तिब्बत में 16 लोगों की मौत हुई है। चितवन में अब तक सबसे ज्यादा 321 शव बरामद हुए हैं।

### एक लाश पर तीन परिवारों का दावा, डीएनए जांच होगी

नेपाल में बाढ़ के बाद शवों की पहचान करना मुश्किल हो गया है। पोखरा के एक अस्पताल में रखे गए शव नंबर 1003 पर तीन परिवारों ने दावा किया है। अब इसकी पहचान डीएनए टेस्ट से होगी। बड़ी संख्या में परिवार अब अपने लापता परिजनों की पहचान के लिए डीएनए रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। कुछ परिजन फोटो, कपड़ों, गहनों, टैटू और शरीर के निशानों के आधार पर पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। तिब्बत में बाढ़ और भूस्खलन के एक हफ्ते बाद भी रेस्क्यू अभियान जारी है। टीमें चीन–नेपाल सीमा तक जाने वाली आखिरी 1 किमी सड़क को दोबारा जोड़ने में जुटी हैं। तेज बहाव और लगातार बारिश के कारण राहत कार्य में दिक्कत आ रही है। प्रशासन ने नए भूस्खलन और ग्लेशियर टूटने का खतरा भी जताया है।

## संक्षिप्त समाचार

### सोनिया गांधी की बुक ‘बिलॉन्गिंग’ पर पेंगुइन का यू-टर्न

- बताई पूरी बात,10 नवंबर को दुनिया भर में रिलीज होनी है किताब

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सोनिया गांधी की लॉन्ग अवेटिड किताब ‘बिलॉन्गिंग अ जर्नी ऑफ लव’ भारत में छपने से पहले ही विवादों में आ गई है। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया ने अब साफ किया है कि किताब के प्रकाशन से पीछे हटने के पीछे किसी तरह का बाहरी या सरकारी दबाव नहीं था। प्रकाशक के मुताबिक, लेखक की टीम और

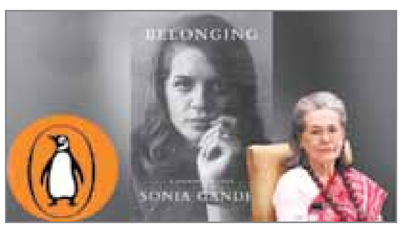


प्रकाशक के बीच एक खास मुद्दे पर सहमति नहीं बन सकी थी। यह किताब सोनिया गांधी के इटली में बचपन से लेकर राजीव गांधी से उनके रिश्ते, नेहरू-गांधी परिवार में उनके आने, परिवार में हुए बड़े व्यक्तिगत दुखों और भारत के साथ उनके रिश्ते की कहानी बताती है। किताब को एक अमेरिकी प्रकाशन हाउस अल्फ्रेड ए नॉफ 10 नवंबर को दुनिया भर में जारी करेगा। हालांकि, भारत में इसे कौन प्रकाशित करेगा, यह अभी साफ नहीं है। पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया की प्रवक्ता पल्लवी नारायण ने कहा कि कंपनी इस किताब को प्रकाशित करने के लिए काफी उत्सुक थी। उन्होंने इसे कंपनी का हार्ड-वॉन एक्विजिशन बताया था। प्रकाशक के मुताबिक, लिखित सामग्री सामान्य संपादकीय प्रक्रिया से गुजरी। इस दौरान कई मुद्दों पर लेखक की टीम के साथ चर्चा हुई।

### ममता की भतीजी का शव मिला, सुसाइड की आशंका

- शिक्षक भर्ती घोटाले में चली गई थी नौकरी,3 सालों से डिप्रेशन में थीं

**कोलकाता (एजेंसी)।** बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की भतीजी ब्रिष्टि मुखर्जी ने मंगलवार को बीरभूम के कुसुम्बा गांव में सुसाइड कर लिया। ब्रिष्टि, ममता के चचेरे भाई और तृणमूल नेता निहार मुखर्जी की बेटी थीं। शुरुआती तौर पर माना जा रहा है कि ब्रिष्टि ने

सुसाइड किया है। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने 22 अप्रैल, 2024 को अवैध रूप से प्राप्त सभी 25,753 नौकरियां रद्द कर दी थीं। साथ ही कोर्ट ने आदेश दिया था कि जो लोग लंबे समय से अवैध तरीके से काम कर रहे हैं, उन्हें ब्याज समेत सैलरी लौटानी होगी। पश्चिम बंगाल सरकार ने 2016 में स्टेट लेवल सिलेक्शन टेस्ट-2016 के जरिए सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के लिए टीचिंग और नॉन टीचिंग स्टाफ की भर्ती की थी। तब 24,640 रिक्त पदों के लिए 23 लाख से अधिक लोगों ने भर्ती परीक्षा दी थी। इस भर्ती में 5 से 15 लाख रुपए तक की घूस लेने का आरोप है।

## घर-दुकान बंद करके जाइए पानी बढ़ने वाला है

### चित्रकूट में डीएम और एसपी कर रहे हैं अनाउंस

**लखनऊ (एजेंसी)।** यूपी और एमपी में मानसूनी बारिश का सिलसिला जारी है। मंगलवार सुबह से लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज और गोरखपुर समेत 35 जिलों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। लखनऊ में दोपहर 2 बजे अचानक अंधेरा छा गया। फिर तेज बारिश शुरू हो गई। कई जगह सड़कों पर पानी भर गया। सहारनपुर में मूसलाधार बारिश के कारण बरसाती नदियों में सैलाब आ गया। पुल और सड़कें जलमग्न हो गईं। रायबरेली में बिजली गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। फतेहपुर में 10 मीटर सड़क का हिस्सा बह गया। कन्नौज में गलियां तालाब बन गईं। आज 72 जिलों में बारिश का अलर्ट है। इधर, लगातार हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं। चित्रकूट में मंदाकिनी खतरे के निशान को पार कर गई है।

### लाउडस्पीकर से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील

डीएम पुलकित गर्ग और एसपी अरुण कुमार सिंह खुद सड़कों पर उतरे। लाउडस्पीकर से लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की। एसपी ने अनाउंसमेंट करते हुए कहा, मध्य प्रदेश में जोरदार बारिश हो रही है। आप सभी लोग अपने घर और दुकानें बंद कर सुरक्षित स्थानों पर चले जाइए, पानी फिर से बढ़ने वाला है।

### अफसर फील्ड में उतरें पीड़ितों को तुरंत मुआवजे दें

प्रदेश में मूसलाधार बारिश और बाढ़ से हुए नुकसान का मुख्यमंत्री योगी ने संज्ञान लिया है। उन्होंने वरिष्ठ अफसरों को खुद ग्राउंड पर उतरने और प्रभावित परिवारों को हरसंभव मदद पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। सीएम ने कहा– आम जनता को जलभराव जैसी दिक्कतों का सामना न करना पड़े।

## मोदी की फिर अपील,जरूरत न हो तो सोना न खरीदें

- वैश्विक संकट में भारत की जीडीपी 7.8 फीसदी दर से बढ़ी

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की जीडीपी ग्रोथ रेट 7.8 फीसदी रहने पर देशवासियों को बधाई दी। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया पर वीडियो जारी कर कहा कि यह उपलब्धि देशवासियों की इच्छाशक्ति, मेहनत और सामूहिक ताकत का नतीजा है। पीएम ने एक बार फिर लोगों से गैर-जरूरी सोने की खरीदारी से बचने की अपील की। उन्होंने कहा, ‘अगर जरूरत न हो तो सोना नहीं खरीदना चाहिए।’ इससे पहले 11 मई को भी पीएम ने देशवासियों से सोना नहीं खरीदने की अपील की थी।

पीएम मोदी ने कहा- देश के अंदर कुछ लोग निराशा फैलाने और झूठ की गूंज के सहारे माहौल खराब करने में लगे हैं। इन सभी चुनौतियों को पार करते हुए भारत ने 7.8 फीसदी की विकास दर हासिल की है। देश को यही रफ्तार बनाए रखनी होगी और आगे भी तेजी से विकास करना होगा।

## भारत कर रहा 30 अरब डॉलर के ट्रेड की तैयारी

- ब्राजील में दवाओं के निर्यात पर फोकस, रख दी है अपनी डिमांड

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत और ब्राजील के रिश्तों में नजदीकियां बढ़ रही हैं। दोनों देश आपसी व्यापार को बढ़ाना चाहते हैं। इसी दिशा में भारत ने ब्राजील में दवाओं के निर्यात को बढ़ावा देने की तैयारी कर ली है। इसके लिए ब्राजील से ज्यादा भरोसेमंद रेगुलेटरी माहौल की मांग की गई है। भारत का कहना है कि इससे सस्ती और अच्छी क्वालिटी की दवाएं आसानी से मिल सकेंगी।

### 2009 में लागू हुआ था एग्रीमेंट

मर्कोसुर में ब्राजील, अर्जेंटीना, उरुग्वे और पैराग्वे शामिल हैं। भारत–मर्कोसुर प्रेफरेंशियल ट्रेड एग्रीमेंट 1 जून, 2009 को लागू हुआ था। मिनिस्ट्री ने कहा, भारत–मर्कोसुर प्रेफरेंशियल ट्रेड एग्रीमेंट में विस्तार और आधुनिकीकरण की काफी गुंजाइश है।

## ‘सुप्रीम’ आदेश, सीजेपी प्रदर्शन की सभी एफआईआर रद्द

### कॉकरोच जनता पार्टी ने 5 सितंबर का प्रोटेस्ट वापस लिया

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन से जुड़ी सभी एफआईआर को रद्द कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने इस

- सुप्रीम कोर्ट का फैसला, नई एफआईआर भी दर्ज नहीं होंगी

फैसले के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 में दी गई शक्तियों का इस्तेमाल किया। हालांकि सरकार ने यह भी कहा कि नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के डेटाबेस के मुताबिक, दिल्ली में

क्रिमिनल रिकॉर्ड वाले 2,873 व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा जारी रहेगा। जांच केवल शारीरिक क्षति या संपत्ति को नष्ट करने के अपराधों तक ही सीमित रहेगी। सुनवाई से पहले कॉकरोच जनता पार्टी ने 5 सितंबर के मार्च को वापस लेने का फैसला किया है। प्रवक्ता सौरव ने बताया कि केंद्र ने उनकी मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया है। सुनवाई के दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि छात्रों के विरोध प्रदर्शन के बाद सीजेपी नेताओं से किए गए तीनों वादे पूरे करने के लिए सरकार वचनबद्ध है।

### सरकार अपने तीनों वादों को पूरा करने को प्रतिबद्ध

केंद्र और दिल्ली पुलिस की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि केंद्र, सीजेपी के नेताओं के साथ हुई बैठक में दिए गए तीनों आश्वासनों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। पहला आश्वासन यह था कि केंद्र 20 जुलाई से 25 जुलाई के बीच दर्ज एफआईआर पर आगे कोई कार्रवाई नहीं करेगा। दूसरा वादा यह दिया गया कि इस मामले में कोई नई एफआईआर दर्ज नहीं की जाएगी। तीसरा भरोसा यह था कि सरकार उन छात्रों के परिवारों को मुआवजा देगी जिन्होंने कथित तौर पर नीट पेपर लीक के कारण आत्महत्या की थी। मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को बताया,केंद्र सरकार नीट परीक्षा रद्द होने के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को मुआवजा देने के सीजेपी नेताओं से किए गए वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है; हालांकि, इसके तौर–तरीके तय करने में 3 महीने का समय लगेगा। उन्होंने आगे कहा सभी तीनों वादें पूरे होंगे।

## भारत को बड़ा डिफेंस ऑफर देने की तैयारी में दोस्त रूस

### एस-500 से एसयू-57 जेट तक खोला हथियारों का पिटारा

**मॉस्को/नई दिल्ली (एजेंसी)।** रूस भारत को एसयू-57 स्टील्थ लड़ाकू विमान और एस-500 एयर डिफेंस सिस्टम बेचने के लिए बहुत बड़ा प्रस्ताव देने की तैयारी कर रहा है। सोमवार को किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात हुई। यह मुलाकात नई दिल्ली में इस महीने दोनों नेताओं की होने वाली बैठक से कुछ दिन पहले हुई है। इस बीच मॉस्को अपने दो सबसे एडवांस्ड हथियार सिस्टम एस-500 प्रोमेथियस एयर डिफेंस एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम और एसयू-57 फेलन स्टील्थ फाइटर को लेकर बहुत बड़ी पेशकश की तैयारी करने जा रहा है।

### भारत को नया प्रस्ताव देने की तैयारी में रूस

मॉस्को की इस पेशकश के केंद्र में एस–500 प्रोमेथियस है जो रूस का सबसे नया लंबी दूरी का एयर और मिसाइल डिफेंस सिस्टम है। मॉस्को एस–500 को भारत–रूस एयर डिफेंस पार्टनरशिप में अगले संभावित कदम के तौर पर पेश कर रहा है। भारत पहले से ही रूसी एस–400 एयर डिफेंस सिस्टम को ऑपरेट कर रहा है जिसने पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 314 किलोमीटर की दूरी से पाकिस्तान के अवाक्स विमान को मार गिराकर वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था।

## थलपति विजय ने खुद खोले मेट्टूर बांध के द्वार

- 45 दिनों में कावेरी नदी का पानी 12 जिलों के किसानों तक पहुंचेगा

**सलेम (एजेंसी)।** तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने मंगलवार को कावेरी डेल्टा के जिलों में सिंचाई के लिए मेट्टूर स्थित स्टेनली जलाशय के जल निकासी द्वार खोले और पानी छोड़ा। विजय ने अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों की मौजूदगी में एक बटन दबाकर जलाशय के द्वार खोले। इसके बाद उन्होंने तेज बहाव के साथ निकल रहे पानी पर फूल बरसाकर कावेरी नदी का पानी छोड़े जाने की शुरुआत की। मुख्यमंत्री बनने के बाद यह पहली बार है जब विजय ने ऐतिहासिक मेट्टूर बांध के द्वार खोले हैं।

## जेल में बंद श्वेता जैन ही है गिरोह की मास्टरमाइंड

### श्वेता ने बनाई थी नई गैंग

### इंदौर हनीट्रैप केस में पुलिस ने की चार्जशीट दाखिल

**इंदौर (एजेंसी)।** शराब कारोबारी को हनी ट्रैप में फंसाकर एक करोड़ रुपए की डिमांड करने के मामले में सभी आरोपी जेल में बंद हैं। अब आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है। इस चार्जशीट में कई खुलासे हुए हैं। साथ ही यह भी साफ है कि इस हनीट्रैप गैंग की मास्टरमाइंड श्वेता जैन ही है। दरअसल, श्वेता जैन, रेशू चौधरी और अलका दीक्षित समेत अन्य आरोपियों ने इंदौर के शराब कारोबारी चिंटू को हनी ट्रैप की जाल में फंसाया था। इसके बाद एक करोड़ रुपए की डिमांड कर रहे थे। आरोपी शराब करोबारी को लगातार धमका रहे थे। इसके बाद पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

### जेल से बाहर आकर बनाई नई गैंग

चार्जशीट पिछले सप्ताह दाखिल हुई थी। इसके अनुसार इस पूरे गैंग की मास्टरमाइंड श्वेता जैन ही है। श्वेता जैन पहले भी हनी ट्रैप मामले में जेल जा चुकी है। जेल से निकलने के बाद श्वेता जैन ने एक अलग से गैंग बनाई है। इस गैंग में रेशू और अलका दीक्षित समेत अन्य लोगों को शामिल किया। श्वेता जैन और उसके गिरोह के लोगों के टारगेट पर नेताओं, प्रॉपर्टी और शराब कारोबारियों के साथ बड़े बिजनेसमैन थे। रेशू जैन ने कई लोगों के साथ वीडियो बना लिए थे। कुछ लोगों से वसूली की कवायद चल रही थी। इसमें कई हाईप्रोफाइल लोग थे।

### साथ रखती थीं पेन और बटन कैमरा

लोगों को ट्रैप करने के लिए गिरोह के लोग एआई का भी इस्तेमाल करते थे। इनके पास से बटन, स्पाई और पेन कैमरे भी मिले हैं। साथ ही कई मोबाइल भी मिले हैं। बताया जा रहा है कि टारगेट श्वेता जैन ही सेट करती थी। इसके बाद रेशू और अन्य लोग उस पर काम करते थे। आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने 600 पन्नों का चालान पेश की है। बताया जाता है कि इंदौर जेल में ही रहकर श्वेता जैन ने नई गैंग बनाई थी। रेशू के साथ लेडी शराब तस्कर अलका दीक्षित को भी शामिल की थी। इनकी नजर हमेशा रसूखदार लोगों पर रहती थी। आरोपियों के खिलाफ पुलिस ने रातोंरात कार्रवाई की थी। पुलिस की आठ टीमों ने अलग–अलग जगहों पर दबिश दी और सभी को गिरफ्तार कर लिया।

## संक्षिप्त समाचार

### हाजीपुर में दूसरा 'जीविका सुधा' बिक्री केंद्र शुरू, महिला को मिला संचालन का जिम्मा

**हाजीपुर**। हाजीपुर में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत वैशाली जिले के दूसरे जीविका सुधा बिक्री केंद्र का शुभारंभ किया गया। भगवानपुर प्रखंड की मिया बैरो पंचायत में जीविका और कॉम्फेड के सहयोग से खोले गए केंद्र का उद्घाटन जिलाधिकारी वर्षा सिंह ने किया। डीएम ने बताया कि यह केंद्र ग्रामीण महिलाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार और आमदनी बढ़ाने में मदद करेगा। इससे महिलाएं गांव और पंचायत स्तर पर ही रोजगार के अवसर हासिल कर आत्मनिर्भर बन सकेंगी। मिया बैरो पंचायत की जीविका सदस्य सोनिया देवी को केंद्र के संचालन की जिम्मेदारी दी गई है। वह सतत जीविकोपार्जन योजना की भी सदस्य हैं। केंद्र पर कॉम्फेड और सुधा के विभिन्न उत्पाद उपलब्ध होंगे। इससे ग्रामीण ग्राहकों को स्थानीय स्तर पर सामान मिलेगा और केंद्र संचालिका को नियमित आय का जरिया मिलेगा। जिलाधिकारी ने बिक्री केंद्र का निरीक्षण किया और इसके सफल संचालन के लिए जरूरी सुझाव दिए। इस दौरान धनवर्षा संकुल स्तरीय संघ की अध्यक्ष और सचिव ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान डीएम ने नशामुक्त समाज बनाने के लिए सभी लोगों से मिलकर काम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि नशे की लत सिर्फ व्यक्ति को नहीं, बल्कि पूरे परिवार को प्रभावित करती है। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने नशे से दूर रहने और समाज को नशामुक्त बनाने की शपथ ली। कार्यक्रम में जीविका की जिला परियोजना प्रबंधक वंदना कुमारी, बीडीओ, प्रखंड परियोजना प्रबंधक दिनेश कुमार रंजन समेत जीविका और कॉम्फेड के अधिकारी-कर्मचारी और जीविका दीदियां मौजूद रहीं।

### कारोबारी की गोली मारकर हत्या, सिर का मांस सड़क पर बिखरा, बेटे की जांघ में लगी गोली

**हाजीपुर**। वैशाली में मंगलवार को बाइक से जा रहे पिता-बेटे को अपराधियों ने गोली मार दी। पिता के सिर में गोली लगने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। नजदीक से गोली मारने की वजह से मृतक के सिर का मांस सड़क पर बिखर गया। वहीं, बेटे को जांघ में गोली लगी है, जिसको आनन-फानन में अस्पताल पहुंचया गया। मृतक की पहचान तिसियौता थाना क्षेत्र के हसनपुर गांव निवासी लक्ष्मण राय (45) के रूप में हुई है। उनके बेटे मिथलेश कुमार (20) का इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि पिता-बेटे पशु बेचकर घर लौट रहे थे।

इसी दौरान अपराधियों ने पैसों से भरा बैग छिनने की कोशिश की तो दोनों ने विरोध किया। जिसके बाद अपराधियों ने 4-5 राउंड फायरिंग की और बैग लेकर फरार हो गए। घटना के बाद करीब 200 लोगों ने सड़क जाम कर दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची है। वहीं, 200 से ज्यादा स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई है। घटना महुआ थाना क्षेत्र के पातेपुर रोड पर स्थित तारौरा नहर के पास की है। स्थानीय निवासी भोलेनाथ ने बताया, "दोपहर करीब 3.30 बजे मैं अपने दुकान पर काम कर रहा था। इसी दौरान 50 मीटर की दूरी पर एक बाइट से 2 बदमाश आए और फाइरिंग शुरू कर दी। गोली की आवाज सुनकर मैं बाहर निकला तो देखा दो आरोपी दूसरे बाइक पर मौजूद पिता-बेटे से पैसों से भरा बैग छिनने की कोशिश कर रहे थे। जैसे ही हम गांव वाले हल्ला करते हुए मौके पर पहुंचे तो अपराधियों ने एक को सिर में गोली मार दी। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, दूसरे के जांघ में गोली लगी, जिन्हें महुआ अनुमंडल अस्पताल में भर्ती करवाए हैं।" घटना की सूचना मिलने के बाद महुआ थानाध्यक्ष अरविंद प्रसाद मौके पर पहुंचे। घटनास्थल का जायजा लिया और मामले की जांच शुरू की। स्थानीय लोगों से घटना से संबंधित जानकारी जुटाई थानाध्यक्ष अरविंद प्रसाद ने बताया कि अपराधियों ने पिता-बेटे को गोली मारी है, जिसमें एक की मौत हो गई। लूट की रकम कितनी है, यह जांच के बाद पता चलेगा। फिलहाल, पुलिस नाकेबंदी कर अपराधियों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी शुरू कर दी है। घटनास्थल और आसपास के CCTV फुटेज खंगाले जा रहे हैं। जल्द अपराधियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

### हाजीपुर में बीबीए सेकंड सेमेस्टर का स्टूडेंट लापता, लास्ट पेपर नहीं देने गया मुजफ्फरपुर

**हाजीपुर**। हाजीपुर में मंगलवार की सुबह 7 बजे से BBA सेकंड सेमेस्टर का स्टूडेंट लापता है। उसकी पहचान नया टोला निवासी रविंद्र कुमार प्रसाद के बेटे उत्कर्ष उर्फ लक्की (20) के रूप में हुई है। वो R.N कॉलेज से BBA कर रहा है। आज उसके सेकंड सेमेस्टर का लास्ट पेपर था। लेकिन वो एग्जाम देने भी नहीं पहुंचा है। उत्कर्ष की बड़ी बहन ने बताया कि एग्जाम को लेकर वो बहुत स्ट्रेस में था। कल रात भी उसने कहा था दीदी मुझसे पढ़ा नहीं जा रहा, मुझे कुछ भी याद नहीं हो रहा। बहन ने बताया कि उत्कर्ष को डर था कि कही वो फेल न हो जाए। हालांकि, घर से कभी उस पर पढ़ाई को लेकर कोई प्रेशर नहीं था। उसने सब्जेक्ट भी अपने मर्जी से सेलेक्ट किया था। घर वाले भी कभी परसेंटेज को लेकर उस पर दबाव नहीं बनाए थे। बहन ने बताया कि आज सुबह साढे 6 बजे के करीब उत्कर्ष मम्मी को जगाने गया था। इसके बाद वो अपने कमरे में फिर से सोने चला गया। आज उसका लास्ट पेपर था। उसका सेंटर मुजफ्फरपुर पड़ा था, तो एग्जाम देने वो अपने दोस्तों के साथ जाता था। घर से उसे 10 बजे के बाद निकलना था। इसलिए एक घंटे बाद मम्मी उसे जगाने उसके कमरे में गई, लेकिन वो वहां नहीं था। उसका मोबाइल भी उसके बेड पर ही रखा था। हमें लगा आस-पास में कही गया होगा थोड़ी देर में आ जाएगा। लेकिन 10 बज गया उसके दोस्त उसे लेने आ गए और उसका कुछ पता नहीं चला। उसके दोस्तों को भी कोई आइडिया नहीं है कि वो कहां है। उत्कर्ष के दोस्तों ने बताया कि सोमवार की शाम जब उससे बात हुई थी, तो वो बोल रहा था कि पेपर के बाद हमलोग पार्टी करने चलेंगे। अब तो लास्ट पेपर ही बचा है, उसके बाद हम रिलैक्स हो जाएंगे। बहन ने लोगों से अपील की है कि किसी को भी उत्कर्ष का पता चलता है तो इस नंबर 07543858005 पर कॉल करके बताए।

### पिकअप की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत, पुलिस ने गाड़ी किया जब्त, पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा शव

**हाजीपुर**। वैशाली में सोमवार देर रात तेज रफ्तार पिकअप वैन ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया था। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे पातेपुर सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना पातेपुर में बालिगांव थाना क्षेत्र के चिकनौटा स्थित जेपी चौक के पास हुई। मृतक की पहचान मुजफ्फरपुर जिले के सकरा थाना क्षेत्र के गणिपुर भेझा गांव निवासी राम लक्ष्मण राम के 34 वर्षीय बेटे के रूप में हुई है। बताया गया कि युवक किसी काम से बाइक से जा रहा था, तभी यह दुर्घटना हुई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया है। दुर्घटना में शामिल पिकअप वैन को पुलिस ने जब्त कर लिया है और मामले की जांच तथा आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है।

# केवाईपी केंद्र संचालकों की भूख हड़ताल शुरू, कहा- लड़ाई जीतेंगे नहीं तो प्राण दे देंगे

एजेंसी, पटना

बिहार सरकार की कुशल युवा कार्यक्रम (KYP) योजना से जुड़े केंद्र संचालकों का आंदोलन आज तेज हो गया। विभिन्न मांगों को लेकर पहले से गर्दनीबाग धरना स्थल पर आंदोलन कर रहे KYP केंद्र संचालकों ने आज से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी। इसके समर्थन में राज्य के विभिन्न जिलों से पटना पहुंचे केंद्र संचालकों ने समर्थन रैली भी निकाली। इनके साथ ही पूरे बिहार भर से अभ्यर्थी भी पहुंचे जो ट्रेनिंग सेंटर पर ट्रेनिंग ले रहे थे। KYP केंद्र संचालकों का कहना है कि युवा, रोजगार एवं कौशल विकास विभाग तथा बिहार कौशल विकास मिशन से जुड़े कई मुद्दों के कारण राज्यभर के केंद्र संचालक लंबे समय से संकट का सामना कर रहे हैं। उनका आरोप है कि लगातार धरना-प्रदर्शन और ज्ञापन देने के बावजूद उनकी मांगों पर अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है।

**25 अगस्त से जारी है गर्दनीबाग में धरना**ः KYP केंद्र संचालकों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर इससे पहले 20 अगस्त 2026 को विरोध-प्रदर्शन किया था। इसके बाद 25 अगस्त से पटना के गर्दनीबाग धरना स्थल पर अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया गया, जो लगातार जारी रहा। आंदोलनकारियों के अनुसार, धरने और लगातार सरकार एवं संबंधित विभागों के समक्ष अपनी बात रखने के बावजूद समस्याओं के समाधान की दिशा में कोई ठोस पहल नहीं हुई। इसके बाद आंदोलन को और व्यापक और तेज करने का निर्णय लिया गया।

**आज से शुरू हुई अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल**ः गर्दनीबाग धरना स्थल पर आज से सामूहिक KYP केंद्र संचालकों ने अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की। भूख हड़ताल में शामिल संचालकों ने कहा कि KYP योजना से जुड़े हजारों केंद्र संचालक और उनके परिवार वर्तमान स्थिति से प्रभावित हैं। ऐसे में उनकी मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय लिया जाना आवश्यक है। जब तक उनकी प्रमुख समस्याओं के समाधान को लेकर ठोस पहल नहीं की जाती, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा। जितेंद्र तिवारी ने कहा, 1 तारीख से हम लोग सामूहिक रूप से भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। इससे पहले हम यहां 7 दिनों तक धरना दे चुके हैं, लेकिन मंत्री जी बार-बार बयान दे रहे हैं कि धरने पर बैठे सभी लोग फर्जी हैं। इसलिए आज हम लोग BSD में जाकर उन्हें दिखा चुके हैं कि आखिर कौन फर्जी है। अगर मैं फर्जी नहीं हूं तो मंत्री जी खुद देख लें। मैं आपको बता देना चाहता हूं कि आज से हमारी भूख हड़ताल शुरू हो गई है। अगर इन लोगों ने इतने सारे लोगों से एक बार प्यार और सम्मान के साथ बात कर ली होती, तो शायद मामला यहीं खत्म हो गया होता। मैं उनसे न सोना मांग रहा हूं और न चांदी। मैं सिर्फ इतना पूछ रहा हूं कि जिस सॉफ्टवेयर को करीब पांच महीने पहले 100 करोड़ रुपये खर्च कर लॉन्च कराया गया, उसे महज चार महीने के भीतर बंद क्यों कर दिया गया? मंत्री जी को इस पैसे का हिसाब देना पड़ेगा कि यह 100 करोड़ रुपये कहां से आए और कहां खर्च हुए।

**कहा- 5 लाख 44 हजार बच्चों को प्रशिक्षित करना था**ः आप लोगों ने 100 करोड़ रुपये खर्च कर एक नया सॉफ्टवेयर बनाया, पार्टनर खोजकर लाए और फिर कुछ ही महीनों में वह सॉफ्टवेयर आउटडेटेड हो गया। अगर 1 अप्रैल से ही वह आउटडेटेड हो गया था, तो इस पूरी व्यवस्था का जवाब कौन देगा? जनवरी से लेकर अब तक आपको 5 लाख 44 हजार बच्चों को प्रशिक्षित करना था। आखिर आपने कितने बच्चों को प्रशिक्षित किया? पहले इसका हिसाब दीजिए। एक और बात कहना चाहता हूं। यहां बैठे कुछ लोग खुद को बहुत विद्वान बताते हैं, पता नहीं किस यूनिवर्सिटी से पढ़कर आए हैं। लेकिन इन्हें शायद यह भी नहीं पता कि एक साल 12 महीने का होता है, जबकि इनके हिसाब से हर साल 11 महीने का ही होता है। मैं अब यहां से या तो अपनी लड़ाई जीतकर जाऊंगा, नहीं तो अपने प्राण दे दूंगा।"

### पटना समेत 5 जिलों में तेज बारिश

**पटना**। बिहार के कई जिलों का मौसम बदला हुआ है। पटना में मंगलवार को तेज बारिश हुई। बारिश के बाद कई इलाकों में पानी भर गया है। देर शाम सुपौल मे भी तेज बारिश हुई। बक्सर, भोजपुर, खगड़िया में रुक-रुककर बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने पटना समेत प्रदेश के 14 जिलों में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में आकाशीय बिजली गिरने को लेकर विशेष चेतावनी दी गई है। वहीं, बाकी 24 जिलों में मौसम सामान्य रहने की संभावना है। ज्यादातर जिलों में तापमान 34 से 36 डिग्री के आसपास रह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, 4 सितंबर को भी बिहार के कई जिलों में बारिश होने की संभावना है। सोमवार को पटना, लखीसराय, पूर्णिया, खगड़िया, भागलपुर, बेगूसराय, अररिया और मुंगेर में बारिश हुई। लखीसराय में तेज बारिश के दौरान दिन में ही अंधेरा छा गया। औरंगाबाद में सबसे ज्यादा 145 mm बारिश रिकॉर्ड की गई।

## पीरबहोर में युवक के साथ मारपीट का आरोप

एजेंसी, पटना

पटना के पीरबहोर थाना क्षेत्र में एक युवक के साथ मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की पहचान सहजीबाग जामुन गली, वार्ड नंबर-40 निवासी मो. हमाद के रूप में हुई है। उन्होंने पीरबहोर थाने में शिकायत देकर आरोपितों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पीड़ित के अनुसार, 1 सितंबर की रात करीब 2:30 बजे वह अपने घर से निकलकर अशोक राजपथ पहुंचा था। इसी दौरान माजीद उर्फ डीडी, सैफी, अरफी और एक अन्य युवक ने उसे रोक लिया और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर सभी ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी।

आरोप है कि माजीद उर्फ डीडी ने लोहे की रॉड से उसके सिर पर वार कर दिया, जिससे सिर फट गया। वहीं, अन्य युवकों ने फाइटर से चेहरे पर हमला किया। मारपीट में उसके मुंह से खून निकलने लगा। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर उसे बचाया। इसके बाद वह जान बचाकर थाने पहुंचा। पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने उसे धमकी दी कि अगर वह थाने गया तो दोबारा मारेंगे। साथ ही गोली मारने की धमकी भी दी गई। बता दें कि माजीद उर्फ डीडी पूर्व में पीरबहोर इलाके के कुतुबुद्दीन लेन में होटल कारोबारी शकील अहमद से 20 लाख रुपये की रंगदारी नहीं देने पर हुई हत्या के मामले में जेल गया था और करीब तीन महीने पहले जेल से बाहर आया है।

# तेल भराने के पैसे नहीं, कचरा उठाव बंद दानापुर में सड़कों पर फैल रही गंदगी

एजेंसी, पटना

दानापुर नगर परिषद गंभीर वित्तीय संकट में है। जिससे साफ-सफाई, डोर-टू-डोर कचरा उठाव और पेयजल आपूर्ति जैसी आवश्यक सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। मंगलवार को पेट्रोल पंप का बकाया अधिक होने के चलते पंप संचालक ने नगर परिषद की गाड़ियों को तेल देने से मना कर दिया। इससे डोर-टू-डोर कचरा उठाव और साफ-सफाई में लगी गाड़ियां बिना तेल के वापस लौट गईं, जिससे कई इलाकों में कचरा उठाव बाधित हुआ।

**22 अगस्त को एसडीएम का तबादला हो गया था**ः यह समस्या पहली बार नहीं हुई है। इससे पहले 24 अगस्त को भी तेल न मिलने के कारण तीन दिनों तक सफाई और कचरा उठाव की गाड़ियां बंद रही थीं। उस समय कार्यपालक पदाधिकारी के प्रभार में रहे एसडीएम अनिरुद्ध पाण्डेय को वित्तीय प्रभार देर से मिलने के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई थी। 22 अगस्त को एसडीएम अनिरुद्ध पाण्डेय का तबादला हो गया था, लेकिन 25 अगस्त को पदभार सौंपने से पहले तेल की व्यवस्था कर दी गई थी, जिसके बाद काम फिर से शुरू हो सका था। इसके बाद फिर से उधारी हो गई। मौजूदा स्थिति में शहर के कई स्थानों पर कूड़े के ढेर जमा होने लगे हैं, जिससे राहगीरों और स्थानीय निवासियों को भारी परेशानी हो रही है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो दानापुर नगर परिषद की स्थिति और बिगड़ सकती है।

**स्मार्ट मीटर रिचार्ज नहीं पेयजल आपूर्ति भी ठप**

**मीटर रिचार्ज नहीं होने से पेयजल आपूर्ति ठप**ः वार्ड संख्या-21 के झखड़ी महादेव रोड स्थित बोरिंग का स्मार्ट बिजली मीटर रिचार्ज न होने के कारण रविवार से पेयजल आपूर्ति ठप है। बिजली आपूर्ति बंद होने से यह स्थिति उत्पन्न हुई है। नगर परिषद क्षेत्र में लगभग 10 अन्य बोरिंग भी स्मार्ट मीटर से संचालित होते हैं, जिनके लिए नियमित रिचार्ज आवश्यक है

**तबादले के बाद समस्या**ः नगर प्रबंधक अमरेन्द्र कुमार ने बताया कि कार्यपालक पदाधिकारी का पद रिक्त होने के कारण वित्तीय समस्याएं उत्पन्न हुई हैं। एसडीएम अनिरुद्ध पाण्डेय के तबादले के बाद से विभाग की ओर से अभी तक कोई नया आदेश जारी नहीं किया गया है।

# श्याम रजक बोले- नेता प्रतिपक्ष अपने पिता जैसा नहीं कर पाए काम, न पार्टी संभली और न परिवार

एजेंसी, पटना

राजद इन दिनों बैठकें और संगठन को मजबूत करने की कवायद कर रहा है। इस बीच जदयू के विधायक श्याम रजक ने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को लेकर प्रतिक्रिया दी है। श्याम रजक ने कहा कि तेजस्वी हमेशा विदेश यात्रा करते रहते हैं। अभी एक महीने का समय लेकर बिहार आएं हैं। एक महीने में सारे काम निपटाकर फिर विदेश में गुलछर्रे उड़ाने चले जाएंगे। एक समय था जब लालू प्रसाद यादव अकेले सत्ता संभालते थे, बेटे तेजस्वी ने पार्टी का क्या हाल कर दिया है, ये सब के सामने है। न पार्टी संभाल पा रहे और न परिवार।

**'तेजस्वी की बैठकों का कोई नतीजा नहीं'**ः इसके अलावा श्याम रजक ने कहा कि तेजस्वी यादव लगातार बैठकें करते रहे, लेकिन इन बैठकों का नतीजा क्या निकला, यह सामने है। उन्होंने कहा कि इन बैठकों के बावजूद आज राष्ट्रीय जनता दल 25 सीटों पर आ गई है। तेजस्वी यादव क्या कह रहे हैं और क्या नहीं कह रहे हैं, इससे कोई मतलब नहीं है। उन्हें पहले अपने दल और परिवार को संभालना चाहिए।

**'तेजस्वी जैसे युवाओं को बिहार पसंद नहीं करता'**ः तेजस्वी यादव की ओर से युवाओं की टीम तैयार किए जाने और इससे एनडीए को संभावित नुकसान के सवाल पर श्याम रजक ने कहा कि तेजस्वी यादव जैसे युवाओं को बिहार पसंद नहीं करता। उन्होंने कहा कि हम नशे के खिलाफ है और संस्कार-राष्ट्रभक्ति की बात करते हैं। अगर तेजस्वी यादव इन मुद्दों पर खरे उतरते तो उनकी युवाओं की टीम को लेकर विचार किया जा सकता था, लेकिन ऐसा कुछ नहीं है।

दरअसल, राजद ने संगठन में युवाओं को बड़ी जिम्मेदारी देने का फैसला किया है। जिलाध्यक्ष पद के लिए उम्र की सीमा 55 साल से कम तय की गई है। साथ ही जिलाध्यक्ष बनने वाला व्यक्ति कोई चुनाव नहीं लड़ेगा। राजद के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने सोमवार से शुरू हुई जिलावार बैठकों में यह ऐलान किया। बैठक में शामिल 200 से अधिक नेताओं और कार्यकर्ताओं से तेजस्वी यादव ने जिला अध्यक्ष पद के लिए चार नाम सुझाने को कहा है। राजद के प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल के मुताबिक जिलावार बैठक 27 सितंबर तक चलेगी। पहले दिन पटना जिला ग्रामीण और पश्चिम चंपारण के सांसद, विधायक, विधान पार्षद और वरिष्ठ नेता बैठक में शामिल हुए थे।

राजद में फिलहाल 55 सांगठनिक जिले हैं और सभी जिला कमेटियां भंग हैं। बांकीपुर चुनाव में 'माय' समीकरण में टूट के बाद पार्टी की यह पहली राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक है। बैठक में 'माय' समीकरण को मजबूत रखने के साथ अन्य जातियों और वर्गों को पार्टी से जोड़ने पर मंथन हो रहा है। संगठन को सक्रिय करने के लिए जिला अध्यक्षों और प्रधान महासचिवों की नियुक्ति पर भी जोर दिया जा रहा।

वहीं, जेडीयू की ओर से फरक्का जलसंधि को लेकर आयोजित होने वाले 'नीतीश संवाद' पर भी श्याम रजक ने जानकारी दी।

## मारपीट में घायल नाबालिग की 2 दिन बाद मौत, घर से ले गए थे 2 युवक

एजेंसी, पटना

पटना में मारपीट में घायल नाबालिग की मौत हो गई। पीएमसीएच में उसका इलाज चल रहा था। मृतक गौतम नगर जनता रोड का रहने वाले टिंकू राम का बेटा कबीर कश्यप (13) था। परिजन ने गर्दनीबाग थाने में शिकायत दर्ज कराई है। मृतक के मामा ने बताया कि कबीर ननिहाल में रहता था। 30 अगस्त को 2 युवक उसे घर से बुलाकर ले गए थे। दोनों उसे नौरंगी स्कूल के पास ले गए। आरोप है कि वहां एक युवक ने कबीर का हाथ पकड़ा और दूसरे ने सिर पर ईंट से हमला किया।

हमले में कबीर गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसके सिर के अंदर खून का थक्का जम गया था। इसके बाद उसका पीएमसीएच में इलाज चल रहा था। मंगलवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि कबीर के साथ मारपीट किस नीयत से की गई, इसकी पूरी जांच होनी चाहिए। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

**फरार आरोपियों की हो रही तलाश**ः घटना की जानकारी मिलने के बाद गर्दनीबाग थाने के SHO भी मामले की जांच के लिए पहुंचे और परिजनों से पूरी जानकारी ली। घटना के बाद से दोनों आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। FSL की टीम को घटनास्थल पर बुलाया गया है। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

## पटना आएंगे फेमस बॉलीवुड सिंगर बी प्राक, कृष्णोत्सव में होंगे शामिल

एजेंसी, पटना

फेमस बॉलीवुड प्लेबैक सिंगर बी प्राक पटना आ रहे हैं। मिलर ग्राउंड में आयोजित होने वाले कृष्णोत्सव में वह शामिल होंगे। वे बिहार में पहली बार भजन क्लबिंग की प्रस्तुति देंगे। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को आधुनिक संगीत के माध्यम से भक्ति और सनातन संस्कृति से जोड़ना है। राजधानी पटना में पहली बार तीन दिवसीय कृष्णोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। 2 से 4 सितंबर तक मिलर ग्राउंड में होने वाले इस महोत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी 2 सितंबर को समारोह का उद्घाटन करेंगे।

इस आयोजन में राज्य के मुख्यमंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री समेत कई मंत्री, सांसद, सामाजिक कार्यकर्ता और अन्य गणमान्य लोग शामिल होंगे। कृष्णोत्सव में देश के कई चर्चित कलाकार भी अपनी प्रस्तुतियां देंगे। महोत्सव की शुरुआत राष्ट्रीय गान, राष्ट्रीय गीत और बिहार गान के साथ होगी। इसके बाद शंखनाद, मंगलाचरण, बांसुरी वादन, कृष्ण लीला, भजन संध्या और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी।

विश्वविख्यात शंख एवं डमरू वादक डॉ. पंडित बिपिन कुमार मिश्रा मंगल ध्वनि प्रस्तुत करेंगे। वहीं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त बांसुरी वादक एवं गायक उस्ताद डॉ. मुजतबा हुसैन और चाहत हुसैन बांसुरी वादन से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। 4 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के अवसर पर मध्यरात्रि में किन्नर समुदाय द्वारा पारंपरिक बधाई और सोहर गायन किया जाएगा।

## शिक्षक दिवस पर कांग्रेस निकालेगी 'कफन पदयात्रा'

एजेंसी, पटना

बिहार कांग्रेस शिक्षक दिवस के दिन 'कफन पदयात्रा' निकालेगी। यह यात्रा वित्त रहित शिक्षक संस्थान का सरकारीकरण को लेकर के है। यह यात्रा गांधी मैदान से शुरू होगी जो की सप्तमूर्ति तक जाएगी। इसके बाद जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। अगर 5 सितंबर को मांगे पूरी नहीं होती है, तो फिर 6 सितंबर से कांग्रेस शिक्षा सत्याग्रह अभियान शुरू करेगी। ये आंदोलन गर्दनीबाग में अनिश्चितकालीन चलता रहेगा जब तक सरकार मांगे पूरी नहीं करेगी। साथ ही कांग्रेस राज्यव्यापी हस्ताक्षर अभियान ही चलाएगी। इसकी जानकारी बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम और सेवा दल के चेयरमैन डॉ संजय यादव ने दी।

**बिहार में वित्त रहित शिक्षा व्यवस्था का इतिहास चार दशक से भी अधिक पुराना**ः राजेश राम ने कहा कि कफन यात्रा का उद्देश्य समाज और सरकार को यह बताना है कि शिक्षक ने पूरी जिंदगी विद्यार्थियों का भविष्य बनाया, लेकिन आज उसके अपने भविष्य की कोई गारंटी नहीं है। यह स्थिति बदलनी चाहिए। बिहार में वित्त रहित शिक्षा व्यवस्था का इतिहास चार दशक से भी अधिक पुराना है। वर्ष 1982 से चली आ रही इस व्यवस्था में बड़ी संख्या में विद्यालय एवं महाविद्यालय अस्तित्व में आए। लेकिन इन शिक्षकों और कर्मचारियों की अपनी सेवा व्यवस्था आज भी स्थायी नहीं हो सकी है। वर्ष 2008 में सरकार ने वित्त रहित शिक्षा नीति में बदलाव करते हुए अनुदान आधारित व्यवस्था लागू की। सरकार ने प्रदर्शन के आधार पर संस्थानों को अनुदान देने की व्यवस्था की। पटना हाईकोर्ट में वित्त रहित और संबद्ध कॉलेजों के शिक्षकों से जुड़े कई मामले पहुंचे हैं।

न्यायालयों ने अलग-अलग मामलों में अनुदान, नियुक्ति, सेवा शर्त और वेतनमान से जुड़े कानूनी पहलुओं पर निर्णय दिए हैं। उनका अनुपालन होना चाहिए। हम सरकार से मांग करते हैं कि वित्त रहित शिक्षा नीति को समाप्त करने के लिए स्पष्ट रोडमैप तैयार किया जाए और वित्त रहित विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के समायोजन की नीति बनाई जाए।

सेवा दल के चेयरमैन डॉ संजय यादव ने कहा कि इसी उद्देश्य से बिहार प्रदेश कांग्रेस सेवा दल ने राज्य के विभिन्न जिलों में आंदोलन शुरू किया है। धरना-प्रदर्शन, पदयात्रा और ज्ञापन के माध्यम से शिक्षक एवं कर्मचारियों की मांगों को जिला प्रशासन और सरकार तक पहुंचाया गया है। हमें हर जिले में शिक्षक एवं कर्मचारियों का भारी समर्थन मिला है। इससे साफ है कि वित्त रहित शिक्षा नीति अब केवल किसी एक संगठन या जिले का विषय नहीं रह गई है। यह पूरे बिहार के शिक्षक समाज का बड़ा मुद्दा बन चुकी है। अगर सरकार मांगे नहीं पूरी कर सकती है तो तमाम शिक्षकों को कफन दे दे ताकि हम यह बात गर्व से कह सकेंगे कि उन्हें खाना कपड़ा तो नहीं मिला लेकिन सरकार ने अपने हाथों से कफ़न जरुर दिया है। सरकार संस्थानों की मान्यता, संबद्धता, विद्यार्थियों की संख्या, शिक्षक की योग्यता, नियुक्ति की प्रक्रिया और सेवा अवधि की जांच कर सकती है।

## संक्षिप्त समाचार

### रेलकर्मियों ने मनाया काला दिवस, पुरानी पेंशन बहाली की मांग

**बीएनएम@ मोतिहारी।** नई पेंशन योजना और एकीकृत पेंशन योजना के विरोध में मंगलवार, 1 सितंबर को जिला के रक्सौल रेलवे स्टेशन के समीप ईस्ट सेंट्रल रेलवे इम्प्लाइज यूनियन के नेतृत्व में रेलकर्मियों ने काला दिवस मनाया। कार्यक्रम के दौरान कर्मचारियों ने काली पट्टी लगाकर नई पेंशन व्यवस्था का विरोध किया और पुरानी पेंशन योजना बहाल करने की मांग को लेकर नारेबाजी की। यूनियन के केंद्रीय जोनल संयुक्त महासचिव एवं इंडियन रेलवे इम्प्लाइज फेडरेशन के राष्ट्रीय सह-महासचिव रत्नेश वर्मा ने कहा कि नई पेंशन योजना और एकीकृत पेंशन योजना कर्मचारी हित में नहीं हैं। सरकार को सभी सरकारी कर्मचारियों, सांसदों, विधायकों और मंत्रियों के लिए एक समान पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि रेलवे में निजीकरण, निगमीकरण और आउटसोर्सिंग पर रोक, रिक्त पदों पर बहाली, श्रम कानूनों की वापसी तथा कर्मचारियों की लंबित मांगों के समाधान को लेकर संगठन लगातार संघर्ष करेगा। उन्होंने 25 सितंबर को लखनऊ में प्रस्तावित विशाल रैली में रेलकर्मियों से भाग लेने की अपील भी की। यूनियन ने कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर सरकार से समाधान की मांग की। इनमें पुरानी पेंशन बहाली, आठवें वेतन आयोग में उचित वेतन निर्धारण, बोनस एवं महंगाई भत्ते के बकाये का भुगतान, आठ घंटे की ड्यूटी व्यवस्था, रिक्त पदों पर भर्ती, ठेका कर्मचारियों को समान काम का समान वेतन, रेलवे अस्पताल एवं आवास की बेहतर व्यवस्था तथा रक्सौल और सीतामढ़ी में चिकित्सा केंद्र की स्थापना प्रमुख हैं। कार्यक्रम में रामानंद कुमार, जैकी कुमार, अंगद राम, रफीक आलम, सुरेश यादव, सोनू कुमार, अजीत कुमार, राकेश कुमार, राहुल कुमार, कृष्णा कुमार, शिवम कुमार, संजय कुमार, ओम शंकर, शाकिर हुसैन, उमेश कुमार राय सहित बड़ी संख्या में रेलकर्मी मौजूद रहे। रत्नेश वर्मा ने कहा कि कर्मचारियों का पेंशन, वेतन, भत्ता और अन्य सुविधाएं मांग नहीं, बल्कि उनका अधिकार हैं, जिसे सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए।

### मोबाइल खरीद-बिक्री के विवाद में सिक्सर के साथ युवक गिरफ्तार

**बीएनएम@ अरेराज।** अरेराज थाना क्षेत्र के हरदिया चौक पर मोबाइल खरीद-बिक्री को लेकर हुए विवाद के दौरान हथियार के साथ एक युवक को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए युवक को गिरफ्तार कर लिया। बताया गया कि विवाद के दौरान एक व्यक्ति के पास हथियार होने की सूचना पुलिस को मिली थी। सूचना पर थानाध्यक्ष प्रत्याशा कुमारी के नेतृत्व में पुलिस टीम हरदिया चौक पहुंची। वहां

ग्रामीणों द्वारा पकड़कर रखे गए आविद दीवान, पिता रहमद दीवान, निवासी नौवाडीह, थाना सुगौली, पूर्वी चंपारण को पुलिस ने अपने कब्जे में लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक सिक्सर बरामद किया गया। हथियार बरामद होने के बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। गिरफ्तार युवक के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

प्रेस कार्ड था, एक्रीडेशन कार्ड था, प्रवेश पत्र भी था... फिर भी पत्रकार अंदर नहीं जा सके!

# मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में 'चौथे स्तंभ' की एंट्री बंद, गेट से ही लौटा कुछ लोकतंत्र के प्रहरी

बीएनएम@ सागर सूरज

**मोतिहारी।** मुख्यमंत्री का कार्यक्रम था, सरकार की उपलब्धियां गिनाई जानी थीं, जिले के लिए घोषणाएं होनी थीं और मीडिया को इसकी कवरेज करनी थी। लेकिन गांधी मैदान के गेट नंबर-1 पर मंगलवार को कुछ पत्रकारों के लिए कहानी कुछ अलग ही लिखी गई—प्रेस कार्ड जेब में था, एक्रीडेशन कार्ड साथ था, लेकिन प्रवेश की अनुमति नहीं थी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के बापूधाम महोत्सव के उद्घाटन समारोह के दौरान कुछ पत्रकारों को प्रवेश नहीं मिलने को लेकर विवाद खड़ा हो गया। कई पत्रकारों ने कार्यक्रम के बहिष्कार का फैसला किया। गेट पर ही जिलाधिकारी द्वारा जारी प्रवेश पत्र को फाड़ कर विरोध दर्ज किया। सवाल यह है कि जब पत्रकारों के पास डीपीआरओ कार्यालय से निर्गत प्रवेश पत्र और एक्रीडेशन कार्ड मौजूद था, तो फिर आखिर गेट पर कौन-सा ऐसा 'वीआईपी नियम' लागू हो गया, जिसकी जानकारी पत्रकारों को नहीं थी?

**कार्ड में फोटो नहीं था, तो हस्ताक्षर कैसे हो गया?** - सबसे बड़ा सवाल प्रवेश पत्र को लेकर है। पत्रकार के अनुसार डीपीआरओ कार्यालय से निर्गत कार्ड में फोटो गायब था। अब सवाल यह है कि यदि कार्ड में फोटो नहीं था तो उस पर अधिकारी का हस्ताक्षर किस आधार पर हुआ? क्या कार्ड जारी करने से पहले उसकी जांच नहीं हुई? और यदि कार्ड वैध था तो गेट पर उसे मानने से इनकार क्यों किया गया?

यानी व्यवस्था कुछ ऐसी नजर आई—कार्ड डीपीआरओ का, एक्रीडेशन हिंदुस्तान टाइम्स का, लेकिन फैसला गेट पर तैनात व्यवस्था का! यानि बदतमीज़, बैगैरत मजिस्ट्रेट सह जिले का गन्ना पदाधिकारी श्रीराम सिंह।

**'डीपीआरओ फोन करेंगे तब भी नहीं जाने देंगे'—सवालों के घेरे में गेट की व्यवस्था-** पत्रकारों का आरोप है कि गेट पर तैनात केन पदाधिकारी श्रीराम सिंह का व्यवहार भी संतोषजनक नहीं था। आरोप है कि उन्होंने यहां तक कहा कि डीपीआरओ फोन करेंगे तब भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

अगर यह बात है तो मामला सिर्फ एक पत्रकार को प्रवेश देने या नहीं देने का नहीं रह जाता। सवाल यह बनता है कि प्रवेश व्यवस्था में अंतिम निर्णय लेने का अधिकार किसके पास था?

अगर डीपीआरओ के निर्देश भी गेट पर लागू नहीं होते, तो फिर पत्रकारों की समस्या का समाधान कौन करता?

गेट पर डीपीआरओ का कोई अधिकारी नहीं— पत्रकारों की व्यवस्था किसके भरोसे?

कार्यक्रम जैसे बड़े सरकारी आयोजन में मीडिया के प्रवेश को लेकर विवाद न हो, इसके लिए आम तौर पर संबंधित विभाग के अधिकारी या कर्मचारी मौजूद रहते हैं। लेकिन पत्रकारों के अनुसार गेट नंबर-1 पर डीपीआरओ कार्यालय का कोई जिम्मेदार अधिकारी या कर्मचारी मौजूद नहीं था।

नतीजा यह हुआ कि पत्रकार सवाल लेकर खड़े रहे और व्यवस्था जवाब देने के बजाय गेट दिखाती रही।

पत्रकारों का आरोप है कि पुलिस प्रशासन के सामने विरोध स्वरूप प्रवेश पत्र फाड़ दिया गया। यह घटना अपने आप में प्रशासन की मीडिया-प्रबंधन व्यवस्था पर बड़ा सवाल खड़ा करती है।

क्या मुख्यमंत्री से सवाल पूछने वाले पत्रकार ही समस्या बन गए?

मुख्यमंत्री की सभा में सरकार की उपलब्धियां बताई जानी थीं। जिले के लिए घोषणाएं होनी थीं। ऐसे कार्यक्रम में मीडिया की भूमिका सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने की होती है।

लेकिन जब पत्रकार ही कार्यक्रम स्थल के बाहर खड़े रह जाएं तो सवाल स्वाभाविक है—

क्या सरकार को अपनी उपलब्धियां जनता तक पहुंचाने के लिए मीडिया की जरूरत नहीं रही?

और अगर जरूरत है, तो फिर पत्रकारों को प्रवेश देने की व्यवस्था इतनी कमजोर क्यों थी?

या फिर व्यवस्था ने यह मान लिया था कि मुख्यमंत्री का कार्यक्रम है, सवाल बाद में होंगे और गेट पहले बंद रहेगा?

**'थर्ड क्लास तैयारी' का नतीजा तो नहीं?**- इस पूरे प्रकरण को लेकर एक दूसरा पहलू भी सामने आता है। क्या यह जानबूझकर पत्रकारों को रोकने का मामला था या फिर जिला प्रशासन की कमजोर तैयारी का परिणाम?

यदि यह प्रशासनिक चूक थी तो जिम्मेदारी तय होनी चाहिए।

यदि प्रवेश पत्र में गलती थी तो कार्ड जारी करने वाले विभाग से जवाब लिया जाना चाहिए।

यदि गेट पर गलतफहमी थी तो वहां जिम्मेदार अधिकारी क्यों नहीं था?

और यदि पत्रकारों को रोकने का कोई विशेष निर्देश था तो वह निर्देश लिखित रूप में क्यों नहीं बताया गया?

सवाल बहुत हैं, लेकिन कार्यक्रम स्थल पर जवाब देने वाला कोई जिम्मेदार व्यक्ति नजर नहीं आया।

बायकॉट इसलिए, क्योंकि सवाल सिर्फ एक पत्रकार का नहीं

इस घटना के विरोध में कई पत्रकारों ने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का बहिष्कार किया।

यह विरोध किसी एक व्यक्ति के प्रवेश का मामला बनकर नहीं रह गया है। सवाल यह है कि सरकारी कार्यक्रमों में मीडिया के साथ व्यवहार की व्यवस्था आखिर कैसी होनी चाहिए?

चौथा स्तंभ सरकार की तारीफ करने के लिए भी है और व्यवस्था से सवाल पूछने के लिए भी। अगर प्रवेश पत्र होने के बावजूद पत्रकार गेट पर रोका जाता है और वहां से उसे कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिलता, तो फिर सवाल उठना स्वाभाविक है।

लोकतंत्र में दरवाजा बंद करना आसान है, लेकिन सवालों को बाहर रखना इतना आसान नहीं।

महोत्सव अच्छा रहा, मगर मीडिया मैनेजमेंट पर सवाल रह गया

हालांकि बापूधाम महोत्सव में सम्मान समारोह और सांस्कृतिक कार्यक्रम बेहतर रहे। आयोजन में शामिल माननीय सांसद राधा मोहन सिंह के जन्मदिन के अवसर पर उन्हें हार्दिक बधाई।

लेकिन समारोह की चमक के बीच गांधी मैदान के गेट नंबर-1 पर हुआ यह घटनाक्रम प्रशासन के लिए असहज सवाल छोड़ गया है।

महोत्सव मंच पर था, मुख्यमंत्री मंच पर थे, उपलब्धियां मंच पर थीं...

लेकिन कुछ पत्रकार गेट के बाहर थे।

अब देखना यह है कि जिला प्रशासन इस पूरे प्रकरण को महज 'गेट की गलतफहमी' मानकर भूल जाता है या यह पता लगाने की कोशिश करता है कि वैध प्रवेश पत्र लेकर पहुंचे पत्रकारों को आखिर प्रवेश क्यों नहीं दिया गया और किसके आदेश पर नहीं दिया गया?

क्योंकि लोकतंत्र में सबसे मजबूत ताला भी एक सवाल से खुल सकता है।

### भोटेकोशी बाढ़ पीड़ितों के लिए जगदंबा इंटरप्राइजेज ने दिए 51 लाख रुपये

बीएनएम@ नेपाल

भोटेकोशी–त्रिशूली क्षेत्र में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित लोगों के राहत, बचाव और पुनर्वास कार्यों में सहयोग के लिए जगदंबा इंटरप्राइजेज ने प्रधानमंत्री दैवी प्रकोप राहत कोष में 51 लाख रुपये की सहायता दी है। जगदंबा इंटरप्राइजेज के निदेशक अनिल रुगंटा ने मंगलवार को नेपाल के अर्थमंत्री स्वर्णिम वाग्ले को 51 लाख रुपये का चेक सौंपा। कंपनी के मुताबिक, यह राशि बाढ़ प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत उपलब्ध कराने के साथ ही दीर्घकालीन पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्यों में सहयोग के उद्देश्य से दी गई है। कंपनी ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए अपने उद्योगों में निर्मित निर्माण सामग्री रियायती दरों पर उपलब्ध कराने की प्रतिबद्धता भी जताई है। इससे आपदा प्रभावित क्षेत्रों में क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे के पुनर्निर्माण में मदद मिलने की उम्मीद है। संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) के तहत किए गए इस सहयोग पर निदेशक रुगंटा ने कहा कि प्राकृतिक आपदा के समय निजी क्षेत्र को सरकार के साथ सहकार्य करते हुए प्रभावित नागरिकों को राहत पहुंचाने में यथासंभव योगदान देना चाहिए। सरोकारवालों ने भी बाढ़ और भूस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल राहत के साथ दीर्घकालीन पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण के लिए सरकार, निजी क्षेत्र और सामाजिक संगठनों के बीच समन्वय को जरूरी बताया।

### हिंदी के निरंतर प्रयोग से ही मजबूत होगी राजभाषा की स्थिति : विशेषज्ञ

बीएनएम@ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के राजभाषा प्रकोष्ठ एवं हिंदी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में हिंदी माह के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का विषय 'राजभाषा हिंदी की व्यावहारिक स्थिति' रहा। कार्यक्रम के संरक्षक विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने शिक्षकों, शोधार्थियों, विद्यार्थियों एवं गैर शैक्षणिक सदस्यों से हिंदी का निरंतर प्रयोग करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की शुरुआत अध्यक्ष एवं अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन तथा परास्नातक द्वितीय वर्ष के छात्र मनोज द्वारा सरस्वती वंदना से हुई। राजभाषा हिंदी अधिकारी डॉ. गोविन्द प्रसाद वर्मा ने प्रो. राजेंद्र सिंह का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र से स्वागत किया। जनसंपर्क प्रकोष्ठ के समन्वयक डॉ. श्यामनंदन ने प्रो. अतुल कुमार शरण तथा संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. बबलू पाल ने प्रो. सुजीत कुमार चौधरी का स्वागत किया। राजभाषा हिंदी अधिकारी डॉ. गोविन्द प्रसाद वर्मा ने स्वागत वक्तव्य में हिंदी की संवैधानिक एवं वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डालते हुए हिंदी माह के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी। परास्नातक छात्र रिशु और हिंदी विभाग के शोधार्थी सोनू गौतम ने हिंदी की व्यावहारिक स्थिति पर अपने विचार रखे। सामाजिक विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. सुजीत कुमार चौधरी ने कहा कि पहले की तुलना में व्यवहार में हिंदी की स्थिति में क्षरण हुआ है। पहले प्राथमिक और माध्यमिक कक्षाओं

के विद्यार्थियों की हिंदी अच्छी होती थी, जबकि वर्तमान में कई बार हिंदी के शोधार्थियों की स्थिति भी संतोषजनक नहीं होती। उन्होंने हिंदी की स्थिति में सुधार के लिए गंभीर प्रयास की आवश्यकता जताई। मुख्य वक्ता अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. अतुल कुमार शरण ने कहा कि हमने अंग्रेजी को हिंदी से अधिक महत्व देना शुरू कर दिया है, जबकि चीन और जापान जैसे देशों में स्थानीय भाषाओं को अधिक प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने कहा कि भाषा व्यवहार का विषय है। हिंदी में गहनता, सौंदर्य, मर्यादा और अनुशासन है। उन्होंने कहा, "अंग्रेजी हमारे लिए रोजगार का विषय है तो हिंदी अभिमान का।" कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विभागाध्यक्ष एवं मानविकी एवं भाषा संकाय के अधिष्ठाता प्रो. राजेंद्र सिंह ने की। उन्होंने कहा कि हिंदी में अन्य भाषाओं के आवश्यक शब्दों को आत्मसात करते हुए हिंदीमय जीवन जीने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में हिंदी की भूमिका पर चर्चा करते हुए कहा कि वही भाषा समृद्ध है, जो सामाजिक रूढ़ियों और कुरीतियों को दूर करने में सक्षम हो। उन्होंने कहा कि हिंदी दिवस पर हमें अन्य भाषाओं की आलोचना नहीं करनी चाहिए। कार्यक्रम में हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. श्याम नंदन, डॉ. गरिमा तिवारी, संस्कृत विभाग के सहायक आचार्य डॉ. बबलू पाल, डॉ. मणिशंकर, डॉ. मोहिनी श्रीवास्तव सहित अन्य शिक्षक एवं शोधार्थी उपस्थित रहे। मंच संचालन शोधार्थी विकास कुमार ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. आशा मीणा ने किया।

### यूजीसी नेट परीक्षा में एलएनडी कॉलेज के विद्यार्थियों ने लहराया परचम

बीएनएम@ मोतिहारी

शहर स्थित एलएनडी कॉलेज के विद्यार्थियों ने यूजीसी नेट परीक्षा में उल्लेखनीय सफलता हासिल कर यह साबित कर दिया है कि सफलता केवल बड़े शहरों तक सीमित नहीं है। कड़ी मेहनत, सही मार्गदर्शन और लक्ष्य के प्रति समर्पण के बल पर छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थी भी बड़े से बड़े लक्ष्य को हासिल कर सकते हैं। महाविद्यालय के हिंदी विभाग की छात्रा रहीं ऋचा कुमारी ने यूजीसी नेट परीक्षा में जेआरएफ हासिल कर महाविद्यालय का गौरव बढ़ाया है। वहीं, हिंदी विभाग के छात्र मिथलेश कुमार ने नेट परीक्षा उत्तीर्ण की है। भूगोल विभाग की छात्रा रजनी कुमारी ने भी यूजीसी नेट परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) मृगेंद्र कुमार ने सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इनकी सफलता से महाविद्यालय के अन्य छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन होगा। साथ ही, महाविद्यालय में बेहतर शैक्षणिक वातावरण के निर्माण को भी और गति मिलेगी। हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. रविरंजन सिंह ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि ऋचा कुमारी और मिथलेश कुमार वर्ग के नियमित विद्यार्थी रहे हैं। नियमित रूप से कक्षा में उपस्थित रहने से विषय संबंधी ज्ञान का विस्तार होता है और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में इसका महत्वपूर्ण योगदान रहता है। भूगोल विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश रंजन कुमार ने बताया कि रजनी कुमारी सुदूर ग्रामीण क्षेत्र से आने वाली जागरूक एवं नियमित छात्रा रही हैं। उन्होंने कठोर अभ्यास और निरंतर प्रयास के बल पर यह सफलता हासिल की है।महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों की यह उपलब्धि महाविद्यालय में उच्च शिक्षा एवं शोध की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को और मजबूती प्रदान करेगी। साथ ही, इससे विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की प्रेरणा भी बढ़ेगी। विद्यार्थियों की सफलता पर इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार, अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. दुर्वादल भट्टाचार्य, बॉटनी विभागाध्यक्ष प्रो. अरविंद कुमार, राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. कुमार राकेश रंजन, भौतिकी विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष कुमार, उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ. जौवाद हुसैन, गणित विभागाध्यक्ष डॉ. दीपक कुमार, मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. मनीषा कुमारी, जूलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. नीरज कुमार, अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. बबीता कुमारी, डॉ. अनीता कुमारी, डॉ. कविता कुमारी, डॉ. ज्योत्सना कुमारी, डॉ. रमेश कुमार, प्रशाखा पदाधिकारी राजीव कुमार, लेखापाल कामेश भूषण, सहायक डॉ. भुवनेश्वर सिंह, अखिलेश कुमार, मणिभूषण, आशुतोष, राघव शरण सहित महाविद्यालय के अन्य शिक्षकों एवं कर्मियों ने भी सफल विद्यार्थियों को शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

## मोतिहारी में चीनी मिल की राह खुलेगी, मेडिकल कॉलेज से लेकर मरीन ड्राइव तक कई बड़ी सौगात

» बरियारपुर में बनेगा मेडिकल कॉलेज, केंद्रीय विद्यालय भी शिफ्ट होगा

**बापूधाम महोत्सव में मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने 285 करोड़ की 145 योजनाओं का किया उद्घाटन-शिलान्यास**

बीएनएम@ मोतिहारी

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को गांधी मैदान में आयोजित बापूधाम महोत्सव का शुभारंभ करते हुए पूर्वी चंपारण को करीब 285 करोड़ रुपये की 145 विकास योजनाओं की सौगात दी। इस दौरान उन्होंने मोतिहारी के विकास से जुड़ी कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मोतिहारी की बंद चीनी मिल को फिर से शुरू करने की दिशा में शीघ्र कार्य प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने बरियारपुर में मेडिकल कॉलेज निर्माण और मोतिहारी में तारामंडल का निर्माण जल्द शुरू कराने की भी घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि पीपराकोठी में प्रस्तावित केंद्रीय विद्यालय अब आम लोगों की मांग पर बरियारपुर में बनाया जाएगा। वहीं नेहरू स्टेडियम में वर्तमान में संचालित केंद्रीय विद्यालय की जगह इंडोर स्टेडियम बनाने की योजना है।

**मत्स्य उद्योग और कला-संस्कृति को मिलेगा बढ़ावा-** मुख्यमंत्री ने कहा कि मोतिहारी में मत्स्य समृद्धि क्लस्टर और फिश

प्रोसेसिंग प्लांट का निर्माण जल्द शुरू होगा। तेतरिया प्रखंड के कोठिया में एक्वाकल्चर पार्क बनाया जाएगा। मोतिहारी में संचालित मदर डेयरी से भी बड़ा मदर डेयरी स्थापित करने की योजना है।

उन्होंने अटल कला भवन के निर्माण की भी घोषणा की। इससे जिले में कला एवं संस्कृति से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। चिरैया में एथलेटिक्स ट्रैक, लक्ष्मी नारायण दूबे कॉलेज के जीर्णोद्धार और मुंशी सिंह महाविद्यालय में खेल संरचना विकसित करने की योजनाओं की भी जानकारी दी।

**मोतीझील के किनारे बनेगा मरीन ड्राइव, सड़कों का होगा विस्तार-** मोतिहारी की यातायात व्यवस्था और आधारभूत संरचना को

मजबूत करने के लिए मुख्यमंत्री ने कई सड़क परियोजनाओं की घोषणा की। मोतीझील के किनारे रोईंग क्लब से पावर हाउस, चीनी मिल, शिव मंदिर, अनाथ आश्रम होते हुए चिकनीघाट-अगरवा तक सड़क एवं नाला निर्माण कराया जाएगा। इसे मरीन ड्राइव के रूप में विकसित किया जाएगा।

मोतिहारी-तुरकौलिया-गोविंदगंज पथ में रघुनाथपुर पुल से बालगंगा तक 3.2 किलोमीटर सड़क का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण होगा। पीपरा एनएच-27 से राजपुर चौक भाया कल्याणपुर 17 किलोमीटर सड़क और शीतलपुर से रमडीहा भाया निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज तक सड़क का भी चौड़ीकरण होगा। अरेराज मंदिर जाने वाली प्रमुख सड़कों को भी चौड़ा एवं मजबूत किया जाएगा।

**NSD कैंपस को केंद्र की मंजूरी, सहयोग शिविर में सुनीं समस्याएं-** मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (NSD) के नए कैंपस की स्थापना को केंद्र सरकार की सहमति मिल गई है। राज्य सरकार इसके लिए उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराएगी और भवन निर्माण की स्वीकृत लागत का 50 प्रतिशत राज्यांश वहन करेगी। इससे बिहार के युवा कलाकारों को राज्य में ही पेशेवर नाट्य प्रशिक्षण और शोध का अवसर मिलेगा।

कार्यक्रम से पहले मुख्यमंत्री ने गांधी मैदान में आयोजित सहयोग शिविर का निरीक्षण किया। विभिन्न विभागों के स्टॉल पर पहुंचकर उन्होंने आम लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का 30 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से निष्पादन करने का निर्देश दिया। अभियान बसेरा के तहत लाभुकों को बासगीत पर्चा तथा मुख्यमंत्री संबल योजना के तहत दिव्यांगों को बैटरी चालित ट्राईसाइकिल प्रदान की गई। वहीं 9,214 स्वयं सहायता समूहों को बैंक लिंकेज के माध्यम से आर्थिक सहयोग के लिए 211 करोड़ रुपये की सांकेतिक राशि जीविका दीदियों को दी गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में सहयोग कार्यक्रम के तहत अब तक करीब सात लाख आवेदन मिले हैं, जिनमें 96 प्रतिशत से अधिक का निष्पादन किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि सरकार उद्योग, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, मत्स्य पालन और महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में तेजी से काम कर रही है। कार्यक्रम में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, सांसद राधा मोहन सिंह, पर्यटन मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता, सांसद संजय जायसवाल, जिले के विधायक, विधान पार्षद, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, डीजीपी विनय कुमार, जिलाधिकारी सौरभ सुमन यादव, एसपी स्वर्ण प्रभात सहित कई जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

## संक्षिप्त समाचार

### रामगढ़वा की कंचन तिवारी ने प्रथम प्रयास में उत्तीर्ण की यूजीसी नेट परीक्षा

**बीएनएम@ रामगढ़वा।** रामगढ़वा थाना क्षेत्र के पचौरी टोला निवासी सोनू पचौरी की पत्नी कंचन तिवारी ने हिंदी विषय से यूजीसी नेट परीक्षा उत्तीर्ण कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उन्होंने यह प्रतिष्ठित परीक्षा प्रथम प्रयास में सफलता हासिल की है। कंचन की सफलता से उनके परिवार के साथ-साथ पूरे रामगढ़वा क्षेत्र में खुशी का माहौल है। परीक्षा में सफलता की खबर मिलते ही उन्हें बधाई देने वालों का तांता लग गया। कंचन तिवारी की उपलब्धि पर स्थानीय विधायक बबलू गुप्ता, प्रमुख प्रतिनिधि विशाल गुप्ता, उपप्रमुख अरविंद पांडेय सहित कई जनप्रतिनिधियों और गणमान्य लोगों ने बधाई दी। उन्होंने कहा कि कंचन की सफलता ने साबित किया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और मेहनत के बल पर महिलाएं हर क्षेत्र में सफलता हासिल कर सकती हैं। उनकी उपलब्धि क्षेत्र की अन्य बेटियों के लिए भी प्रेरणादायी है।

### दुकान में फंदे से झूलता मिला युवक का शव

**बीएनएम@ शेखपुरा।** महुरी टोला इलाके में एक युवक द्वारा दुकान के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने से इलाके में सनसनी फैल गई।

मृतक की पहचान खांडपर निवासी अविनाश पांडे उर्फ श्याम पांडे के रूप में की गई है। मृतक के चाचा करुणा शंकर पांडे ने बताया कि अविनाश ने करीब 24 घंटे पहले अपने सोशल मीडिया स्टेटस पर अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की तस्वीर लगाई थी। सोमवार को वह घर में खाना खाने के बाद महुरी टोला स्थित अपनी दुकान पहुंचा था। इसके बाद उसने दुकान के अंदर फांसी के फंदे से झूलकर अपनी जान दे दी। चाचा ने बताया कि जब दुकान का शटर उठाया गया तो अविनाश को फंदे से लटका देख सभी के होश उड़ गए। घटना की सूचना तत्काल नगर थाना पुलिस को दी गई।

### पश्चिम चंपारण की 45 पंचायतों में लगा सहयोग शिविर

**बीएनएम@ बेतिया।** राज्य सरकार के निर्देश पर मंगलवार को पश्चिम चंपारण जिले की 45 पंचायतों में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविरों में ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं और सेवाओं का लाभ पंचायत स्तर पर उपलब्ध कराया गया तथा उनकी समस्याओं और आवेदनों के समाधान की कार्रवाई की गई। जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने चनपटिया प्रखंड की भैंसही पोखरिया पंचायत में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और विभिन्न विभागों के स्टॉलों का जायजा लिया। डीएम ने अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का संवेदनशीलता और तत्परता के साथ निष्पादन करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन के शत-प्रतिशत लाभुकों का जीवन प्रमाणीकरण प्राथमिकता से कराने तथा सभी पात्र किसानों का फॉर्मर रजिस्ट्री में समयबद्ध पंजीकरण सुनिश्चित करने को कहा। वहीं डीडीसी काजले वैभव नितिन ने मझौलिया की महनागनी और रतनमाला पंचायतों में शिविरों का निरीक्षण किया। अन्य प्रखंडों में भी नोडल अधिकारियों ने शिविरों की व्यवस्था और आवेदनों के निष्पादन की समीक्षा की।

### जलस्रोत बचाएं, पौधे लगाएं और लक्ष्य समय पर करें पूरा : डीएम

**बीएनएम@ शेखपुरा।** समाहरणालय स्थित मंथन सभागार में सोमवार को जिला पदाधिकारी शेखर आनंद की अध्यक्षता में 'जल-जीवन-हरियाली अभियान' की विभागवार समीक्षा बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। डीएम ने अधिकारियों को पौधे भेंट कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। बैठक में डीएम ने तालाब, पोखर, कुआं, आहर और पईन जैसे प्राकृतिक जलस्रोतों को चिन्हित कर प्राथमिकता के आधार पर अतिक्रमण मुक्त कराने का निर्देश दिया। साथ ही जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और सरकारी भवनों पर रूफ वाटर हार्वेस्टिंग संरचना विकसित करने पर जोर दिया।डीएम ने स्कूल-कॉलेज परिसरों सहित जिलेभर में व्यापक पौधरोपण अभियान चलाने, आहर-पईन का जीर्णोद्धार, अमृत सरोवर निर्माण तथा चापाकलों और कुओं के समीप सोख्ता निर्माण सुनिश्चित करने को कहा।

### पितृपक्ष मेला की तैयारियों को लेकर डीएम ने किया क्षेत्र का निरीक्षण

**सड़क, नाली और साफ-सफाई दुरुस्त करने का निर्देश**

**बीएनएम@ गयाजी।** पितृपक्ष मेला 2026 (25 सितंबर से 10 अक्टूबर) के दौरान देश-विदेश से आने वाले तीर्थयात्रियों को बेहतर सुविधा और सुगम आवागमन देने के लिए गया डीएम शशांक शुभंकर ने नादरगंज, रामसागर से चांद चौरा तक पैदल भ्रमण कर सड़कों, नालियों और साफ-सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया। डीएम ने नगर आयुक्त और बुडको को मेला क्षेत्र में सड़कों पर अनावश्यक गड्ढा न करने तथा पूर्व के गड्ढों को 5 दिनों में समतल करने का निर्देश दिया। समाहरणालय के पास बिखरे पत्थरों को हटाने और रामसागर सूर्य मंदिर के पास जल जमाव की समस्या दूर करने को कहा गया। नादरगंज नाला की सफाई जेसीबी व सुपर सक्शन मशीन से 4 दिनों में और चांद चौरा स्थित निर्माणाधीन नाला का कार्य 10 सितंबर तक पूरा करने का निर्देश दिया गया। पथ निर्माण विभाग को समाहरणालय से रामसागर तक की सड़कों का समतलीकरण और कालीकरण कराने को कहा गया है। इसके अलावा, मेला क्षेत्र में आवारा पशुओं के विचरण पर रोक लगाने का निर्देश दिया गया। नगर आयुक्त ने बताया कि पिछले 15 दिनों में 45 आवारा पशुओं को पकड़कर 3.50 लाख रुपये जुर्माना वसूला गया है और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। डीएम ने मेला शुरू होने से पहले सभी मूलभूत सुविधाएं पूरी तरह दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त, विभिन्न विभागों के अभियंता, स्थानीय जनप्रतिनिधि व विष्णुपद मंदिर के पुरोहितगण मौजूद रहे।

### 51 सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों के पेंशन चालू

**बीएनएम@ गयाजी।** गया के सहायक निदेशक (सामाजिक सुरक्षा) आकाश कुमार ने बताया कि जिला के विभिन्न प्रखंडों में खाता त्रुटि के कारण रुके हुए 51 सामाजिक सुरक्षा पेंशनधारियों का पेंशन डीएम के निर्देश पर त्रुटि सुधार कर पुनः चालू किया जा रहा है। इनमें बोधगया के 1, वजीरगंज के 5, गुरूआ के 6, फतेहपुर के 1, मानपुर के 1, बाराचट्टी के 1, खिजरसराय के 10, मोहनपुर के 8, अतरी के 2, परैया के 1, टिकारी के 3 और इमामगंज के 9 पेंशनधारी शामिल हैं। त्रुटि सुधार के बाद सभी का पेंशन डीवीटी के माध्यम से सीधे उनके खातों में भेजा जाएगा।इसके साथ ही, जिला पदाधिकारी ने गया जिले के उन सभी पेंशनधारियों से अनुरोध किया है जिन्होंने अभी तक जीवन प्रमाणीकरण नहीं कराया है, वे नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर से संपर्क कर इसे निःशुल्क पूरा करवा लें, ताकि उन्हें पेंशन का लाभ बिना किसी बाधा के लगातार मिलता रहे।

**राजधानी पटना में अपराध नियंत्रण और अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए चला विशेष अभियान**

# 24 घंटे में 55 अपराधी गिरफ्तार, भारी मात्रा में हथियार, शराब और बालू जब्त

» हत्या, हत्या के प्रयास और आर्म्स एक्ट के मामलों में बड़ी सफलता
» अपराधियों के खिलाफ जारी रहेगा पटना पुलिस का सख्त अभियान

**बीएनएम@ पटना**

राजधानी पटना में अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। नगर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी), पटना कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, विगत 24 घंटे के भीतर क्षेत्र में अपराध नियंत्रण और अपराधियों पर अंकुश लगाने के लिए चलाए गए विशेष अभियान में कुल 55 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने अलग-अलग थाना क्षेत्रों में त्वरित कार्रवाई करते हुए विभिन्न संगीन आपराधिक मामलों में वांछित अपराधियों को सलाखों के पीछे भेजा है। गिरफ्तार अभियुक्तों में हत्या मामले के 2, हत्या के प्रयास (हाफ मर्डर) के 32, आर्म्स एक्ट के 2, वाहन चोरी के 1 और विविध मामलों के 23

आरोपी शामिल हैं। इनमें दानापुर, बिहटा, मनेर, नौबतपुर, पालीगंज और दुल्हिन बाजार थानों के कई मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे नामजद अभियुक्तों को दबोचने में पुलिस को सफलता मिली है। वहीं विभिन्न थाना क्षेत्रों में की गई छापेमारी के दौरान पुलिस ने 1 देशी कट्टा, 9 जिंदा कारतूस, 2 खोखा और 4 वाहन बरामद किए हैं। इसके अलावा अवैध कारोबार पर नकेल कसते हुए 300 लीटर देशी शराब, 6.750 लीटर विदेशी शराब और 100 CFT अवैध बालू जब्त किया गया है। वाहन जांच अभियान के तहत पुलिस ने 21,000 का जुर्माना भी वसूला है। न्यायालय से जुड़े मामलों के त्वरित निष्पादन के तहत पुलिस टीम ने कुल 46 वारंटों का निष्पादन किया है, जिनमें 17 जमानती (BW) और 29 गैर-जमानती (NBW) वारंट शामिल हैं। इसके साथ ही गंभीर मामलों में नामजद 2 अभियुक्तों ने न्यायालय और पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। पटना पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने और आमजन में सुरक्षा का अहसास कराने के लिए इस प्रकार की सख्त पुलिसिंग आगे भी जारी रहेगी। आपराधिक गतिविधियों में लिप्त लोगों के खिलाफ शून्य सहिष्णुता (Zero Tolerance) की नीति अपनाते हुए सभी थाना प्रभारियों को लगातार गश्त और छापेमारी के निर्देश दिए गए हैं।

## जनता दरबार में एसपी ने सुनी लोगों की समस्या

**त्वरित निष्पादन करने का पुलिस पदाधिकारियों को दिया आदेश**

**बीएनएम@ बगहा**

पुलिस अधीक्षक कार्यालय बगहा में मंगलवार को जन शिकायतों की सुनवाई की गई। इस दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याओं और शिकायतों को पुलिस अधीक्षक के समक्ष रखा। पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार ने बारी-बारी से फरियादियों की समस्याएं सुनीं और संबंधित पुलिस पदाधिकारियों को शिकायतों के त्वरित एवं निष्पक्ष निष्पादन के लिए आवश्यक निर्देश दिए।जनसुनवाई के दौरान भूमि विवाद, आपसी विवाद, मारपीट, धोखाधड़ी सहित अन्य मामलों से जुड़ी शिकायतें सामने आईं। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि आम लोगों की समस्याओं का समाधान पुलिस की प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जन शिकायतों के निपटारे में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए तथा शिकायतकर्ताओं को समय पर न्याय दिलाने की दिशा में कार्रवाई की जाए। बताते चलें कि प्रति कार्य दिवस को 10 बजे से 2 बजे तक पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनशिकायत की सुनवाई की जाती है।

### शिक्षा कार्यालय में लंबे समय से जमे कर्मियों पर वसूली का आरोप

**बीएनएम@ बेतिया : बैरिया।** प्रखंड शिक्षा कार्यालय में लंबे समय से एक ही स्थान पर कार्यरत लेखापाल और डाटा ऑपरेटर के खिलाफ भ्रष्टाचार एवं कथित अवैध वसूली के आरोप लगाते हुए भाजपा बैरिया उत्तरी मंडल अध्यक्ष सह बीस सूत्री के अध्यक्ष अवध किशोर सिंह ने जिलाधिकारी को अलग-अलग आवेदन देकर जांच और कार्रवाई की मांग की है।आवेदन में लेखापाल दीपक कुमार को लेकर आरोप लगाया गया है कि वे करीब 10 वर्षों से नौतन प्रखंड में पदस्थापित होने के बावजूद बैरिया में प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत हैं। पत्र में सरकार के प्रतिनियुक्ति संबंधी निर्देशों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा गया है कि लंबे समय तक एक ही स्थान पर रहने से उनका कार्यालय में प्रभाव बढ़ गया है। आवेदन के अनुसार, उनके अधीन करीब 12 शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति कर विद्यालयों से राशि की कथित वसूली कराई जाती है। वहीं, डाटा ऑपरेटर दीनदयाल कुमार पर भी करीब 10 वर्षों से एक ही स्थान पर कार्यरत रहने का आरोप लगाया गया है।

## सहयोग शिविरों का महापौर व नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

**बीएनएम@ बेतिया**

नगर निगम, बेतिया की ओर से मंगलवार, 1 सितंबर को नागरिकों को उनके वार्ड के समीप जनसुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वार्ड संख्या 29 से 35 तक कुल सात वार्डों में सहयोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविरों में विभिन्न विभागों से संबंधित सेवाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया तथा नागरिकों की समस्याओं और आवेदनों को सुना गया। आयोजित सभी सात शिविरों का महापौर, उप महापौर एवं नगर आयुक्त ने निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। नगर आयुक्त ने विभिन्न विभागों के काउंटरों का क्रमवार जायजा लेते हुए कार्यप्रणाली, नागरिकों को मिल रही सुविधाओं और प्राप्त आवेदनों के निष्पादन की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों व कर्मियों को आवेदनों का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

## विद्यापतिधाम में रेलवे का चला बुलडोजर

» अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई पर उठे सवाल

**लाइसेंसी दुकानदारों के निर्माण भी क्षतिग्रस्त करने का आरोप**

**बीएनएम@ समस्तीपुर**

विद्यापतिधाम रेलवे स्टेशन एवं स्मारक चौक के आसपास रेलवे की जमीन पर किए गए अतिक्रमण के खिलाफ मंगलवार को रेलवे प्रशासन ने अभियान चलाया। इस दौरान जेसीबी की मदद से दुकानों के आगे बनाए गए टीन शेड समेत अन्य अस्थायी निर्माण को हटाया गया। कार्रवाई को लेकर स्थानीय स्तर पर अब सवाल भी उठने लगे हैं। रेलवे प्रशासन के अनुसार, अतिक्रमण हटाने को लेकर संबंधित लोगों को करीब पांच दिन पूर्व नोटिस जारी कर रेलवे की जमीन खाली करने का निर्देश दिया गया था। नोटिस मिलने के बाद अधिकांश दुकानदारों ने स्वयं ही अपने स्तर से अतिक्रमण हटा लिया था। इसके बावजूद कुछ स्थानों पर बचे टीन शेड एवं अन्य अस्थायी निर्माण को जेसीबी के माध्यम से हटाया गया। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान अंचलाधिकारी कुमार हर्ष, राजस्व अधिकारी अरुण कुमार शर्मा, थानाध्यक्ष सूरज कुमार के अलावा आरपीएफ, जीआरपीएफ एवं स्थानीय पुलिस बल के जवान मौजूद रहे। प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में रेलवे की जमीन को अतिक्रमणमुक्त कराने की कार्रवाई की गई। इधर, स्थानीय समाजसेवी धर्मराज सिंह ने रेलवे प्रशासन की कार्रवाई की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि अतिक्रमण हटाने में समानता नहीं बरती जा रही है। उनका कहना है कि जहां कुछ लोगों द्वारा कथित रूप से अवैध कब्जा किया गया है, वहां कार्रवाई अलग तरीके से हो रही है, जबकि वैध अलॉटमेंट वाले दुकानदारों के निर्माण को भी क्षति पहुंचाई गई है। वहीं, स्थानीय लोगों ने भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को पारदर्शी और समान रूप से किए जाने की मांग की है।रेलवे प्रशासन की ओर से लोगों से रेलवे की जमीन पर दोबारा अतिक्रमण नहीं करने की अपील की गई है।

## सड़क की भूमि छोड़, निजी भूमि में बिजली का खम्भा लगाने से लोग परेशान

**बीएनएम@ बगहा**

पश्चिमी चंपारण जिला के नरकटियागंज नगर परिषद के वार्ड संख्या 14 में मुख्य सड़क एसएच 105 की भूमि से अतिरिक्त अन्य भूमि में बिजली का पोल लगाने के विरोध के बावजूद पथ निर्माण विभाग और नार्थ बिहार पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड के कान पर जूँ नहीं रेंग रहा है। इस बावत अंचल कार्यालय के सड़क की पैमाइश 21 जून के सम्बंध में कार्यपालक अभियंता कमल नारायण प्रसाद डीजीएम बीएसआरडीसीएल ने अनभिज्ञता व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि बीएसआरडीसीएल के सहायक अभियंता व अन्य की उपस्थिति में सड़क की पैमाईश की गई। जिसमें कालीकृत सड़क के व्हाइट लाइन से 6 फ़ीट दक्षिण तक सड़क और नाली निर्माण किया जाना है उसके बगल में बिजली का पोल लगाना है। किन्तु ऐसा नहीं किया जा रहा है, जिससे सड़क निर्माण कम्पनी और नगरवासी दोनों परेशान है। नगर परिषद नरकटियागंज में सड़क के किनारे बिजली का पोल लगाया जा रहा है। सड़क चौड़ीकरण अच्छा कार्य है किंतु इसकी आड़ में अतिक्रमणकारियों क़ो प्रश्रय देना, असहाय स्त्री-पुरुष क़ो डराना, पिछड़े व दलितों क़ो धमकाना अच्छी बात नहीं है। रंजीत पासवान व उनकी

पत्नी का कहना है कि ज़ब सड़क की भूमि और पुराना ट्रांसफार्मर सही जगह पर है तो उसे किसी के घर के बगल में अनावश्यक लगाना कितना उचित है। नगर वासियों ने माँग किया है कि सड़क की भूमि के सटे बिजली का पोल लगाया जाए और सड़क का निर्माण शांतिपूर्ण ढंग से किया जाए।

## 12 सितंबर की राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए जागरूकता अभियान शुरू

» प्रचार रथ को प्रधान जिला जज ने दिखाई हरी झंडी

**बीएनएम@ शेखपुरा**

आगामी 12 सितंबर को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार ने व्यापक जागरूकता अभियान शुरू कर दिया है। इसी क्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश संतोष कुमार तिवारी ने प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह प्रचार वाहन जिले के विभिन्न गांवों और क्षेत्रों में पहुंचकर लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के महत्व और इसमें मामलों के आपसी सहमति से निपटारे के प्रति जागरूक करेगा।इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव सुशील प्रसाद ने बताया कि आगामी 12 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इसके सफल आयोजन को लेकर विशेष प्रचार अभियान चलाया जा रहा है।प्रचार वाहन के माध्यम से लोगों को बताया जाएगा कि न्यायालय में लंबित सुलहनीय मामलों का आपसी सहमति के आधार पर त्वरित और सरल तरीके से निपटारा कराया जा सकता है।उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठाने की अपील की। मौके पर न्यायिक पदाधिकारी, अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष चंद्रमौलि यादव, सचिव विनोद कुमार सिंह तथा एलएडीसीएस के चीफ बीरेंद्र कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

### बाढ़ से पहले मैदान में उतरे डीएम शेखर आनंद

**बीएनएम@ शेखपुरा**

बाढ़ और सुखाड़ की संभावित स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। मंगलवार को जिला पदाधिकारी श्री शेखर आनंद ने घाटकुसुभा प्रखंड के अति-संवेदनशील क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर अधिकारियों को पूरी तरह अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए। डीएम ने सहरा, बटौरा और सुजावलपुर सहित कई गांवों का दौरा कर बाढ़ से प्रभावित होने वाले इलाकों की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान हरोहर नदी का जलस्तर बढ़ने पर सड़कों और संपर्क मार्गों को होने वाले नुकसान पर विशेष चिंता जताई गई। डीएम ने ग्रामीण कार्य विभाग और बाढ़ नियंत्रण एवं जल निस्सरण प्रमंडल के अधिकारियों को समय रहते सुरक्षा और मरम्मत की सभी तैयारियां पूरी करने का निर्देश दिया। पीएचईडी को प्रभावित क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल के लिए पर्याप्त टैंकर तैयार रखने को कहा गया।

# 'भारत को जानो' परीक्षा में 400 छात्र-छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

**बीएनएम@ रक्सौल**

भारत विकास परिषद, शाखा रक्सौल के तत्वावधान में आयोजित 'भारत को जानो' अखिल भारतीय लिखित परीक्षा-2026 में रक्सौल के नौ विद्यालयों के करीब 400 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा परिषद के सदस्यों की देखरेख में शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुई। परीक्षा में कैम्ब्रिज पब्लिक स्कूल, संत माइकल इंग्लिश स्कूल, एसएवी स्कूल, चंद्रशील इंग्लिश स्कूल, सरस्वती विद्या मंदिर, जयंत एकेडमी, एमजीएम इंटरनेशनल स्कूल, डीपीएम स्कूल एवं भारती पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। 30 मिनट की परीक्षा में विद्यार्थियों को भारत के इतिहास, संस्कृति, परंपरा, ज्ञान-विज्ञान, महापुरुषों और राष्ट्रीय गौरव से संबंधित 50 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के

उत्तर देने थे। परिषद के संपर्क संयोजक उमेश सिकारिया एवं सेवा संयोजक सह मीडिया प्रभारी बिमल कुमार सर्राफ ने बताया कि सभी सहभागी विद्यालयों के प्रबंधन एवं शिक्षकों का सहयोग सराहनीय रहा। विद्यार्थियों ने भी उत्साह और अनुशासन के साथ परीक्षा में सहभागिता की। भारत विकास परिषद के अध्यक्ष रजनीश प्रियदर्शी ने कहा कि 'भारत को जानो' महज एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को देश की गौरवशाली विरासत, संस्कृति और ज्ञान परंपरा से जोड़ने का अभियान है। इसका उद्देश्य बच्चों में भारत के प्रति जिज्ञासा, गौरव और राष्ट्रीय चेतना विकसित करना है। संस्कार संयोजक नीतेश कुमार सिंह ने कहा कि विद्यार्थियों की उत्साहपूर्ण सहभागिता से स्पष्ट है कि नई पीढ़ी देश के इतिहास और संस्कृति को जानने के लिए उत्सुक है। ऐसी प्रतियोगिताएं ज्ञानवर्धन के साथ विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, संस्कार और राष्ट्रबोध को भी मजबूत करती हैं।

**विजेता प्रतिभागी क्विज में होंगे शामिल-** परीक्षा के परिणाम के आधार पर प्रत्येक सहभागी विद्यालय के कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी शाखा स्तरीय प्रश्न-मंच (क्विज प्रतियोगिता) में हिस्सा लेंगे। इसके जरिए विद्यार्थियों को अपनी ज्ञान एवं प्रतिभा का प्रदर्शन करने का एक और अवसर मिलेगा।

परीक्षा के सफल आयोजन में रक्सौल शाखा के सुनील कुमार, उमेश सिकारिया, बिमल कुमार सर्राफ, सीताराम गोयल, मनोज कुमार, आलोक कुमार श्रीवास्तव, रमेश कुमार, अजय कुमार, किरण जायसवाल, सुरेश धानोठिया, संगीता धानोठिया, दिनेश प्रसाद, अरविंद जायसवाल, विनोद कुमार, संतोष कुमार, बिनोद रौनियार, अशोक कुमार, विवेक कुमार चौरसिया एवं शरद सर्राफ का उल्लेखनीय योगदान रहा।

इसकी जानकारी परिषद के संपर्क संयोजक उमेश सिकारिया एवं मीडिया प्रभारी बिमल कुमार सर्राफ ने दी।

# कोई जादुई छड़ी मौजूद नहीं

**अमेरिका के खिलाफ चीन से सहयोग करने का दोष भारत पर भी लगाया गया है। इसके अलावा जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, और मेक्सिको जैसे देशों पर भी ऐसी ही तोहमत मढ़ी गई है।**

डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन को अपनी जमीन से कटी नीतियों में कोई खोट नजर नहीं आता! इसलिए उसके अधिकारी अपनी हर नाकामी का ठीकरा दूसरों पर फोड़ने की कोशिश करने लगते हैं! उनकी सोच ऐसी है कि जैसे सारी दुनिया के अमेरिका के लिए है, इसलिए तमाम देशों को उसके हित में काम करना चाहिए! इसका ताजा उदाहरण ह्वाइट हाउस की रिपोर्ट है, जिसमें चीन के खिलाफ व्यापार युद्ध में अमेरिका की नाकामी का दोष अमेरिका के करीबी सहयोगियों समेत 40 से ज्यादा देशों पर मढ़ा गया है। जिनको अमेरिका के खिलाफ चीन से सहयोग करने का दोषी बताया गया है, उनमें भारत भी है। इसके अलावा जापान, दक्षिण कोरिया, कनाडा, और मेक्सिको जैसे देशों पर भी चीन से सहयोग करने की तोहमत मढ़ी गई है। ह्वाइट हाउस के मुताबिक इन देशों ने अरबों डॉलर के टैरिफ से बचने में चीनी कंपनियों को मदद की। ये देश ट्रांसशिपिंग में मददगार बने। यानी चीनी कंपनियों ने उन देशों को अपने उत्पाद भेजे, जिन पर अमेरिका ने कम टैरिफ लगाए हैं। फिर वहां से उन वस्तुओं को अमेरिका निर्यात किया गया। मगर ये इल्जाम भूमंडलीकरण के दौर में खुद अमेरिकी पहल पर दुनिया में बनी आपूर्ति शृंखला का स्वाभाविक परिणाम है। इन शृंखलाओं के तहत अधिकांश अंतिम उत्पाद विभिन्न देशों में बने पाट-पुर्जों पर निर्भर हैं। चूंकि इस दौर में चीन ने खुद को 'दुनिया के कारखाने0 के रूप में विकसित किया, तो लाजिमी है कि उस पर सबसे ज्यादा निर्भरता है। चीनी अर्थव्यवस्था के खास स्वरूप के कारण वहां बनी चीजें सस्ती पड़ती हैं, इसलिए भी अन्य देशों की कंपनियों के लिए वहां से आयात रोकना घाटे का सौदा बन जाता है। यही वजह है कि चीन के खिलाफ 2018 से शुरू अमेरिकी व्यापार युद्ध का ज्यादा असर नहीं हुआ है। चीन का निर्यात बढ़ता गया है। अमेरिका में भी अन्य स्रोतों से चीनी वस्तुओं का पहुंचना जारी है, जिसको लेकर ट्रंप प्रशासन के असंतोष का इजहार अब हुआ है। सबक यह है कि विश्व व्यापार की दिशा बदलने की कोई जादुई छड़ी मौजूद नहीं है, जिस बात को ट्रंप नहीं समझ पा रहे हैं।

# सर्वे के संकेत और लोकतंत्र की असली कसौटी

**सौरभ वार्ष्णेय**

लोकसभा चुनाव यदि आज होते हैं तो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) एक बार फिर केंद्र की सत्ता में लौट सकता है। एक ताजा सर्वेक्षण में एनडीए को 326 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है, जबकि इंडिया ब्लॉक को 185 और अन्य दलों को 32 सीटें मिलने की संभावना जताई गई है। वोट शेयर के लिहाज से भी एनडीए को 45 प्रतिशत, इंडिया ब्लॉक को 39 प्रतिशत और अन्य दलों को 16 प्रतिशत वोट मिलने का अनुमान सामने आया है। भारतीय जनता पार्टी को अकेले 261 और कांग्रेस को 106 सीटें मिलने का अनुमान इस सर्वेक्षण की राजनीतिक तस्वीर को और स्पष्ट करता है। प्रधानमंत्री पद की पहली पसंद के तौर पर नरेंद्र मोदी को 49 प्रतिशत लोगों का समर्थन मिलना भी इस बात का संकेत है कि मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य में मोदी की लोकप्रियता अभी चुनौतीपूर्ण स्थिति में बनी हुई है। लेकिन किसी भी सर्वेक्षण को चुनाव का अंतिम परिणाम मान लेना लोकतंत्र की बुनियादी प्रकृति को समझने में भूल होगी। सर्वेक्षण जनता के मन की तत्काल तस्वीर प्रस्तुत करते हैं, जबकि चुनाव का वास्तविक फैसला मतदान केंद्रों पर होता है। मतदाता का रुख चुनाव की तारीख नजदीक आने तक अनेक सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और स्थानीय मुद्दों से प्रभावित हो सकता है। इसलिए इस सर्वेक्षण को सत्ता की गारंटी नहीं, बल्कि जनता के वर्तमान राजनीतिक मूड का संकेत माना जाना चाहिए। सर्वेक्षण की एक महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अभी भी प्रधानमंत्री पद के लिए सबसे लोकप्रिय विकल्प बने हुए हैं। 49 प्रतिशत लोगों ने उन्हें पहली पसंद बताया, जबकि राहुल गांधी को 27 प्रतिशत और तमिलनाडु के नेता सी. जोसेफ विजय को 9 प्रतिशत समर्थन मिला। यह आंकड़ा बताता है कि विपक्ष के सामने अभी भी नेतृत्व के सवाल का समाधान पूरी मजबूती से सामने नहीं आया है। लोकतंत्र में सरकार के खिलाफ असंतोष को चुनावी समर्थन में बदलने के लिए केवल विरोध पर्याप्त नहीं होता। जनता को वैकल्पिक नेतृत्व, स्पष्ट नीतियां और भरोसेमंद राजनीतिक दृष्टि भी दिखाई देनी चाहिए। हालांकि, मोदी सरकार के प्रति सकारात्मक राय को केवल लोकप्रियता के चश्मे से देखना भी उचित नहीं होगा। सर्वे में 51 प्रतिशत लोगों ने प्रधानमंत्री के कामकाज को अच्छा बताया है, जबकि अगस्त 2026 में एनडीए सरकार के समग्र प्रदर्शन से 50 प्रतिशत लोग संतुष्ट और 29 प्रतिशत असंतुष्ट दिखाई दिए। इसका अर्थ यह भी है कि सरकार के पक्ष में समर्थन मजबूत जरूर है, लेकिन यह सर्वसम्मति नहीं है। लगभग एक-तिहाई आबादी का असंतोष सत्ता पक्ष के लिए चेतावनी है। सरकार को यह समझना होगा कि चुनाव केवल उपलब्धियों के प्रचार से नहीं, बल्कि जनता की रोजमर्रा की समस्याओं के समाधान से जीते जाते हैं। राज्यों के आंकड़े इस तस्वीर को और दिलचस्प बनाते हैं। उत्तर प्रदेश में इंडिया ब्लॉक को 41 और एनडीए को 38 सीटें मिलने का अनुमान है। महाराष्ट्र में एनडीए को 31 और इंडिया ब्लॉक को 17 सीटें मिलने की संभावना बताई गई है, जबकि पश्चिम बंगाल में एनडीए को 35 सीटों के साथ बढ़त का अनुमान है। इससे साफ है कि राष्ट्रीय स्तर पर किसी गठबंधन की बढ़त का अर्थ यह नहीं कि हर राज्य में उसका प्रदर्शन समान होगा।

भारत की राजनीति अब भी क्षेत्रीय आकांक्षाओं, जातीय समीकरणों, स्थानीय नेतृत्व और राज्य-विशिष्ट मुद्दों से गहराई से प्रभावित होती है। सर्वेक्षण में नीति संबंधी सवालों पर जनता की राय भी बेहद महत्वपूर्ण है। एक देश, एक चुनाव के विचार को 70 प्रतिशत समर्थन मिलना यह दर्शाता है कि जनता बार-बार होने वाले चुनावों से पैदा होने वाली राजनीतिक और प्रशासनिक व्यस्तताओं से मुक्ति चाहती है। वहीं 65 प्रतिशत लोगों का दलबदल विरोधी कानून को और मजबूत करने के पक्ष में होना लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति चिंता को दर्शाता है। निर्वाचित प्रतिनिधियों का चुनाव के बाद राजनीतिक दल बदलना लंबे समय से लोकतंत्र की विश्वसनीयता के लिए चुनौती बना हुआ है। यदि जनता इस पर कठोर कानून चाहती है तो राजनीतिक दलों को भी इस मांग को गंभीरता से लेना चाहिए। राम मंदिर चढ़ावा चोरी कांड को लेकर 47 प्रतिशत लोगों द्वारा केंद्र और राज्य दोनों सरकारों पर नकारात्मक प्रभाव पडऩे की बात कहना भी राजनीति के लिए महत्वपूर्ण संदेश है। धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था से जुड़े मामलों में पारदर्शिता और जवाबदेही की अपेक्षा सामान्य प्रशासनिक मामलों से कहीं अधिक होती है। ऐसे मामलों में सरकारों की प्रतिक्रिया, जांच की निष्पक्षता और दोषियों पर कार्रवाई जनता के विश्वास को प्रभावित करती है। इस सर्वेक्षण की एक और उल्लेखनीय विशेषता इसका युवा और जेन-जी मतदाताओं के बीच राजनीतिक रुझान को सामने लाना है। नई पीढ़ी का मतदाता केवल परंपरागत राजनीतिक नारों से प्रभावित नहीं होता। उसके लिए रोजगार, शिक्षा, डिजिटल अर्थव्यवस्था, महंगाई, अवसर, पारदर्शिता और भविष्य की सुरक्षा जैसे मुद्दे अधिक महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं। यदि युवा मतदाता किसी नेता को समर्थन देता है तो उसके पीछे उसकी अपेक्षाएं भी होती हैं। इसलिए राजनीतिक दलों के लिए सबसे बड़ी चुनौती युवाओं के समर्थन को केवल चुनावी आंकड़े के रूप में देखने के बजाय उनकी आकांक्षाओं को नीतियों में बदलना है। सर्वेक्षण में 1 जुलाई से 25 अगस्त 2026 के बीच 25,184 वयस्कों की राय और पिछले 24 सप्ताह में 91,795 लोगों की राय के विश्लेषण का उल्लेख है। कुल 1,16,644 लोगों की राय के आधार पर रिपोर्ट तैयार किए जाने और 3 से 5 प्रतिशत के मार्जिन ऑफ एरर की संभावना भी बताई गई है। ऐसे में आंकड़ों को पढ़ते समय सावधानी जरूरी है। सर्वेक्षण चाहे कितना भी बड़ा क्यों न हो, वह मतदाताओं के बदलते मन को पूरी तरह पकड़ नहीं सकता। खासकर भारत जैसे विशाल और विविध देश में स्थानीय मुद्दे अंतिम समय में चुनावी समीकरण बदल सकते हैं। विपक्ष के लिए यह सर्वेक्षण आत्ममंथन का अवसर है। यदि इंडिया ब्लॉक को राष्ट्रीय स्तर पर 185 सीटों का अनुमान मिल रहा है तो इसका अर्थ यह नहीं कि विपक्ष कमजोर हो चुका है। बल्कि यह बताता है कि उसके पास एक मजबूत आधार मौजूद है, जिसे बेहतर संगठन, साझा रणनीति और स्पष्ट नेतृत्व के जरिए विस्तार दिया जा सकता है। विपक्ष को केवल सरकार की आलोचना करने के बजाय यह बताना होगा कि सत्ता में आने पर वह रोजगार, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में क्या अलग करेगा। सत्ता पक्ष के लिए भी यह सर्वेक्षण केवल उत्सव का कारण नहीं होना चाहिए। 326 सीटों का अनुमान निश्चित विजय नहीं है। लोकतंत्र में जनता का समर्थन हर चुनाव में नए सिरे से हासिल करना पड़ता है। सरकार के सामने महंगाई, रोजगार, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, किसानों की आय, शिक्षा और सामाजिक असमानता जैसी चुनौतियां लगातार मौजूद हैं। लोकप्रियता के आंकड़ों को जनादेश का स्थायी प्रमाण समझना किसी भी सरकार के लिए जोखिम भरा हो सकता है। सर्वेक्षण लोकतंत्र का आईना हो सकते हैं, लेकिन लोकतंत्र का फैसला नहीं। जनता आज किसे पसंद करती है, यह महत्वपूर्ण है, लेकिन जनता चुनाव के दिन किसे वोट देती है, यही निर्णायक है। अभी चुनाव सामने नहीं हैं, इसलिए राजनीतिक दलों के पास जनता का विश्वास जीतने का पर्याप्त समय है। एनडीए के सामने अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने और असंतुष्ट वर्गों को साथ जोडऩे की चुनौती है, जबकि विपक्ष के सामने एक विश्वसनीय विकल्प बनने की चुनौती है। भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती यही है कि अंतिम शक्ति जनता के हाथ में है। सर्वेक्षण बदल सकते हैं, समीकरण बदल सकते हैं, नेता बदल सकते हैं और चुनावी हवा भी बदल सकती है। इसलिए आज के आंकड़ों से कल का परिणाम तय करना जल्दबाजी होगी। असली सवाल यह नहीं कि सर्वे में कौन आगे है, बल्कि यह है कि चुनाव तक कौन जनता के सवालों को बेहतर ढंग से समझता है और उनके समाधान का भरोसा पैदा करता है। लोकतंत्र में सबसे बड़ा सर्वेक्षण जनता का मतदान है और उसका फैसला ही अंतिम होता है। (लेखक वरिष्ठ पत्रकार, चिंतक, राजनीतिक विचारक है।) (यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

# 2026ः छत्तीसगढ़ में 'महतारी गौरव वर्ष' और नारी सशक्तीकरण का नया दौर

**हरिशंकर व्यास**

2026 को महतारी गौरव वर्ष के रूप सदैव याद किया जाएगा

छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान मातृशक्ति के सम्मान और नारी शक्ति के प्रति आदर की परंपरा से जुड़ी हुई है। मां दंतेश्वरी, मां बम्लेश्वरी, मां महामाया और मां चंद्रहासिनी की आस्था से लेकर माता कौशल्या की धरती तक, छत्तीसगढ़ में मातृशक्ति सदैव सामाजिक जीवन के केंद्र में रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा, आर्थिक सशक्तीकरण और स्वावलंबन को प्राथमिकता देते हुए विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन कर रही है। वर्ष 2026 को 'महतारी गौरव वर्षÓ के रूप में मनाया जाना इसी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व वाली सरकार के 30 माह के कार्यकाल में महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण के लिए महतारी वंदन योजना महत्वपूर्ण पहल के रूप में सामने आई है। योजना के अंतर्गत प्रदेश की करीब 68 लाख विवाहित महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता सीधे उनके बैंक खातों में अंतरित की जा रही है। इससे महिलाओं को अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ-साथ परिवार के आर्थिक निर्णयों में अधिक भागीदारी का अवसर मिल रहा है। रक्षाबंधन से पहले बहनों को आर्थिक संबलः रक्षाबंधन के पावन पर्व के अवसर पर राज्य सरकार ने महतारी वंदन योजना की 31वीं किस्त की राशि का अंतरण किया। 25 अगस्त को बालोद जिले में आयोजित कार्यक्रम में करीब 68 लाख महिलाओं के बैंक खातों में लगभग 631 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की गई। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि सरकार की मंशा है कि प्रदेश की माताएं-बहनें आर्थिक रूप से सशक्त बनें, अपने छोटे-बड़े निर्णय स्वयं ले सकें और अपने त्योहारों को पूरे उत्साह एवं सम्मान के साथ मना सकें। रक्षाबंधन से पहले खातों में पहुंची यह राशि महिलाओं के लिए आर्थिक संबल के साथ पर्व की खुशियों में सरकार की सहभागिता का संदेश भी लेकर आई। 'स्नेह की डोरÓ कार्यक्रम में दिखा आत्मीयता और सम्मान का भावः विगत दिनों रक्षाबंधन के अवसर पर रायपुर में आयोजित 'स्नेह की डोरÓ कार्यक्रम में स्कूली बेटियों, दिव्यांग बेटियों और महिला स्व-सहायता समूहों की दीदियों ने केंद्रीय सुरक्षा बलों, सेना और पुलिस के जवानों की कलाइयों पर रक्षा सूत्र बांधे। कार्यक्रम में सुरक्षा बलों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का भाव दिखाई दिया। कार्यक्रम का भावुक क्षण उस समय आया, जब वर्ष 2017 में रक्षाबंधन के ठीक एक दिन पूर्व नक्सली मुठभेड़ में वीरगति को प्राप्त हुए शहीद उपनिरीक्षक श्री युगल किशोर वर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती माधुरी वर्मा ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की कलाई पर राखी बांधी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि 'राखी का यह धागा भाई-बहन के स्नेह के साथ-साथ शहीद परिवार के विश्वास और अपनत्व का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद के आतंक से मुक्त कराने के लिए सुरक्षा बलों ने अदम्य साहस का परिचय दिया है। अनेक जवानों ने राष्ट्र और प्रदेश की सुरक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान दिया है।' मुख्यमंत्री ने कहा कि 'नक्सलवाद के अंत की ओर बढ़ता छत्तीसगढ़ प्रदेश की बहनों के लिए सुरक्षा और विश्वास का सबसे बड़ा उपहार है। सरकार का प्रयास है कि नक्सल हिंसा के कारण किसी बहन का सुहाग न उजड़े, किसी मां को अपना बेटा न खोना पड़े और किसी बहन को अपने भाई की सुरक्षा की चिंता न सताए।' महिला स्व-सहायता समूहों से बढ़ा आत्मनिर्भरता का दायराः राज्य में महिला स्व-सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक गतिविधियों से जोडऩे का कार्य निरंतर किया जा रहा है। प्रदेश में 2 लाख 42 हजार से अधिक महिला स्व-सहायता समूहों से करीब 30 लाख महिलाएं जुड़ी हुई हैं। लखपति दीदी अभियान के माध्यम से महिलाओं को स्वरोजगार और आय के स्थायी साधनों से जोडऩे पर विशेष जोर दिया जा रहा है। प्रदेश में 13 लाख 85 हजार महिलाएं लखपति दीदी बन चुकी हैं। इससे महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत होने के साथ-साथ ग्रामीण अर्थव्यवस्था में उनकी भागीदारी भी बढ़ी है। महिला स्व-सहायता समूहों की महिलाएं स्थानीय स्तर पर विभिन्न उत्पादों का निर्माण एवं विपणन कर रही हैं। इससे उन्हें आय के अवसर प्राप्त हो रहे हैं और वे परिवार के साथ-साथ गांव के विकास में भी सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। प्रदेशभर से मिला मुख्यमंत्री को बहनों का स्नेहः महतारी वंदन योजना की राशि रक्षाबंधन से पहले प्राप्त होने पर प्रदेश के विभिन्न जिलों की महिलाओं ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। सुकमा से कोरिया और राजनांदगांव से रायगढ़ तक प्रदेश के विभिन्न अंचलों की महिलाओं ने मुख्यमंत्री के प्रति स्नेह और विश्वास व्यक्त करते हुए उन्हें बड़े भाई के रूप में सम्मान दिया। महिलाओं ने कहा कि महतारी वंदन योजना से उन्हें अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायता मिल रही है। आर्थिक सहायता ने उनमें आत्मविश्वास बढ़ाया है और परिवार की आवश्यकताओं के लिए उन्हें अधिक सक्षम बनाया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने प्रदेश की नारी शक्ति के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं का सम्मान, स्वावलंबन और समृद्धि राज्य सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने तथा उन्हें विकास की मुख्यधारा में आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। महतारी वंदन योजना, महिला स्व-सहायता समूहों और लखपति दीदी जैसे प्रयासों से छत्तीसगढ़ में नारी शक्ति को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में नई संभावनाएं तैयार हो रही हैं। रक्षाबंधन के अवसर पर बहनों के खातों में पहुंची सहायता राशि ने इस विश्वास को और मजबूत किया है कि राज्य सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और स्वावलंबन के लिए प्रतिबद्ध है।

**मेष राशिः** आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपकी व्यापारिक गतिविधियां सुचारू रूप से चलती रहेंगी, आपके साथ कुछ नए क्लाइंट भी जुड़ेंगे। आज आपके घर में नन्हें मेहमान का आगमन होगा, जिससे आपके दांपत्य जीवन में जिम्मेदारी आएगी। आज ऑफिस में बॉस आपको किसी प्रोजेक्ट पर काम करने को बोल सकते हैं, जिसे आप बखूबी पूरा करेंगे।

**वृष राशिः** आज का दिन आपके लिए खुशी से भरा रहेगा। आज आप अपनी दिनचर्या में कुछ अच्छी आदतों को शामिल करेंगे, जिससे आपकी हेल्थ अच्छी रहेगी। आज आपके दांपत्य जीवन में खुशियां और नयापन आएगा। आज आप संयम और धैर्य के साथ काम करेंगे तो सफलता निश्चित तौर पर मिलेगी, भावनाओं में बहकर निर्णय लेने से बचें।

**मिथुन राशिः** आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज आप किसी ऐसे काम की योजना बनाएंगे, जिसके माध्यम से बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आज बच्चे अपने मन की बात आपसे शेयर कर सकते हैं, उन्हें उचित मार्गदर्शन की जरूरत रहेगी, जिसमें आपका सहयोग कारगर साबित होगा। इस राशि के लेखन कार्य से जुड़े व्यक्ति अपनी पुस्तक को पब्लिश कराने का विचार कर सकते हैं।

**कर्क राशिः** आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आप नए बिजनेस को लेकर कुछ योजनाएं बनाएंगे, जिसमें आप किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह ले सकते हैं। जहां आप परिवार का ध्यान भी रख पाएंगी। आज संतान को सफलता मिलने से आपका मन प्रसन्न होगा और आप इस खुशी को अपने करीबियों के साथ सेलिब्रेट करेंगे। आपका झुकाव आध्यात्म की तरफ थोड़ा ज्यादा रहेगा, जिससे आपका अशांत मन शांत होगा।

**सिंह राशिः** आज का दिन आपके लिए कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। आज आपको किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब के लिए ऑफर आएगा और किसी अच्छी पोस्ट पर आपका सिलेक्शन हो जाएगा। आज आप जरूरी और महत्वपूर्ण कार्य निपटाने में सफल रहेंगे, जिससे काम का बोझ कम होगा। आज आपको अपनी योजनाओं के प्रति गोपनीयता बनाए रखने की जरूरत है।

**कन्या राशिः** आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। आज आपकी आय में बढ़ोत्तरी होगी और अन्य साधनों से भी आर्थिक लाभ कमाने का अवसर मिलेगा। आज अपने विचारों को लेकर थोड़े जज्बाती भी हो सकते हैं, इसलिए आप अपनी भावनाओं को कंट्रोल में रखें। आज आपको लंबे समय बाद कॉलेज के किसी दोस्त से मिलने का मौका मिलेगा।

**तुला राशिः** आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज ऑटोमोबाइल के क्षेत्र में आपको बढिय़ा धन लाभ कमाने का अवसर मिलेगा। आज काम को योजनाबद्ध तरीके से करना तथा एकाग्रचित्त रहना आपको सफलता प्रदान करेगा। इस राशि के हेल्थकेयर में कार्यरत व्यक्तियों को अनुभवी डॉक्टरों से मिलने और उनसे कुछ सीखने का मौका मिलेगा।

**वृश्चिक राशिः** आज का दिन आपके लिए अच्छा बना रहेगा। आज आपके व्यावसायिक फैसले आपका दोगुना लाभ कराएंगे, दूसरे भी आपसे प्रभावित होंगे। आज ऑफिस में कलीग आपका पूरा सहयोग करेंगे, जिससे काम जल्दी और आसानी से पूरा हो जाएगा। आज किस्मत आप पर मेहरबान रहेगी, आपकी अधूरी इच्छाएं पूरी हो सकती हैं। आज आप पूरे परिवार के साथ पिकनिक मनाने बाहर जा सकते हैं।

**धनु राशिः** आज का दिन आपके लिए मिली-जुली प्रतिक्रिया देने वाला रहेगा। आज आपको उन सभी कार्यों में सफलता मिलेगी, जिनके लिए आपने कड़ी मेहनत की थी। आज रोचक साहित्य को पढऩे में भी कुछ समय व्यतीत करने से मानसिक सुकून और शांति रहेगी। आज आप किसी दोस्त की बर्थडे पार्टी में जाकर एंजॉय करेंगे जहां कुछ नए दोस्त भी बनेंगे।

**मकर राशिः**आज का दिन आपके लिए खुशनुमा बना रहेगा। आज आप कारोबार से जुड़े अधिकतर कार्य करने में सफल रहेंगे और किसी तकनीक का सहारा भी ले सकते हैं। आज आपके रिश्ते पड़ोसी के साथ मधुर होंगे, आपका एक-दूसरे के घर आना-जाना होगा। आज काम धीरे-धीरे ही सही लेकिन पूरे हो जाएंगे, तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे। आज किसी भी नए कार्य की शुरुआत करने से पहले परिवारजनों से सलाह-मशविरा लेना उचित रहेगा।

**कुंभ राशिः** आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आपको खास मित्र से महंगा उपहार मिलेगा, जिससे आपको खुशी मिलेगी। आज आप भावनाओं में बहकर किसी भी प्रकार का निर्णय लेने से बचें। आज आप फिजूलखर्ची से दूर रहें तथा उचित बजट बनाकर चलें। आज आप किसी नए काम की शुरुआत के लिए उचित समय का इंतजार करें।

**मीन राशिः**आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आप पार्टनरशिप में किसी बिजनेस की शुरुआत कर सकते हैं, जिसमें आपको अच्छा लाभ होगा। आज आप किसी के साथ व्यर्थ बातें करने से बचें, इससे आपके रिश्ते अच्छे बने रहेंगे। आज आप सोचने में समय व्यर्थ न करें, अन्यथा आपके हाथ से महत्वपूर्ण डील निकल सकती है।

# स्वास्थ्य दुश्चिंता विकार : कारण, लक्षण व वचाव

**डॉ मनोज कुमार तिवारी**

यदि आप अपनी सेहत को लेकर सदैव चिंतित रहते हैं, अपने शरीर में गांठ, झुनझुनी या दर्द जैसे बीमारी के लक्षणों की नियमित रूप से जांच करते हैं, हमेशा लोगों से यह आश्वासन चाहते हैं कि आप बीमार नहीं हैं, सदैव सोचते रहते हैं कि मेडिकल टेस्ट में कुछ छूट तो नहीं गया या इंटरनेट पर स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को हद से ज्यादा खोजते हैं तो आप बीमारी संबंधी चिंता विकार से ग्रस्त हो सकते हैं। इलनेस एंग्जायटी डिसऑर्डर या हेल्थ एंग्जायटी डिसऑर्डर को बीमारी संबंधी चिंता विकार या हाइपोकॉन्ड्रिया भी कहते हैं। यह एक ऐसी मानसिक स्थिति है जिसमें व्यक्ति को लगातार डर रहता है कि उसे कोई गंभीर या जानलेवा बीमारी जैसे कैंसर या दिल का दौरा होने वाली है। सामान्य शारीरिक बदलावों या लक्षणों को भी व्यक्ति बहुत बड़ी बीमारी समझता है। बीमारी संबंधी चिंता विकार अत्यंत दुर्लभ है। यह लगभग 0.1 प्रतिशत लोगों को प्रभावित करता है। बीमारी संबंधी चिंता विकार युवावस्था के शुरुआती या मध्य में शुरू होता है और उम्र के साथ बढ़ता है। वृद्धजनों में स्वास्थ्य संबंधी चिंता मुख्य रूप से अपनी याददाश्त खोने का डर होता है।

बीमारी संबंधी चिंता विकार के दो प्रकार हैं। पहला इलाज की अत्यधिक आवश्यकता, जिसमें पीड़ित स्वास्थ्य सेवा केंद्र में काफी समय बिताते हैं, कई विशेषज्ञों से सलाह लेते हैं और बार-बार चिकित्सीय जांच का अनुरोध करते हैं। दूसरा इलाज से बचने की प्रवृत्ति, जिसमें पीड़ित स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और चिकित्सा देखभाल से बचने की कोशिश करते हैं क्योंकि इन्हें चिकित्सक पर भरोसा नहीं होता और इन्हें लगता है कि चिकित्सक लक्षणों को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं, जिससे इनमें और अधिक चिंता उत्पन्न होती है।

इसके प्रमुख लक्षणों में बार-बार स्वास्थ्य की जांच करना जैसे अपना ब्लड प्रेशर, शुगर, नब्ज नापना या शरीर पर किसी तिल या निशान को बार-बार देखकर चिंतित होना, गूगल पर छोटे लक्षणों के लिए गंभीर बीमारी खोजना, लगातार व बार-बार मेडिकल जांच करवाना और चिकित्सक के यह कहने पर भी संतुष्ट न होना कि आप बिल्कुल स्वस्थ हैं, बीमारी के बारे में अधिक सोचने से उत्पन्न अत्यधिक तनाव के कारण दिल की धड़कन तेज होना, पसीना आना, बेचैनी या चक्कर आना जैसी घबराहट होना, और बीमारी होने के विचार से दिनभर परेशान व भयभीत रहना तथा रुचिकर कामों में भी मन न लगना शामिल है। इसके कारणों में बचपन का मानसिक आघात जैसे बचपन में किसी गंभीर बीमारी का सामना करना या परिवार में किसी की गंभीर बीमारी और मौत देखना, जीवन में उच्च स्तर व लंबे समय तक रहने वाला मानसिक तनाव, नौकरी का दबाव या व्यक्तिगत समस्याएं, इंटरनेट पर बार-बार लक्षणों को खोजना जिसे साइबरकॉन्ड्रिया कहा जाता है, पारिवारिक इतिहास जिसमें माता-पिता या निकट रिश्तेदारों का बहुत ज्यादा चिंतित रहने का स्वभाव हो, मस्तिष्क के रसायनों यानी न्यूरोट्रांसमीटर का असंतुलन होना जो

डर व चिंता को नियंत्रित करते हैं, और बीमारी का पिछला अनुभव होना शामिल है। इसके जोखिम कारकों में जीवन में अत्यधिक तनाव का होना, किसी गंभीर बीमारी का खतरा जो अंततः गंभीर न निकले, बचपन में दुर्व्यवहार या मानसिक आघात, बचपन में गंभीर बीमारी होना, माता या पिता को गंभीर बीमारी होना, अत्यधिक चिंता करने की प्रवृत्ति, और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी के लिए इंटरनेट का अत्यधिक उपयोग करना शामिल है। इसकी जटिलताओं में अत्यधिक चिंता करने से दूसरों को निराशा होना जिससे रिश्तों या परिवार में समस्याएं उत्पन्न होती हैं, कार्य निष्पादन में गिरावट आना, कार्य स्थल पर अत्यधिक अनुपस्थिति होना, दैनिक जीवन के कामकाज में समस्याएं होना, स्वास्थ्य देखभाल हेतु यात्रा और चिकित्सा व्ययों के कारण वित्तीय समस्याएं होना, तथा अन्य मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित होना जैसे दैहिक लक्षण विकार, उच्च तनाव, अवसाद और व्यक्तित्व विकार शामिल हैं। इसके बचाव के उपायों में इंटरनेट पर लक्षणों के बारे में बार-बार पढ़ना तुरंत बंद करना, मन को शांत रखने के लिए लंबी गहरी सांस लेने के अभ्यास, ध्यान और योग की मदद लेना, गंभीर बीमारी से संबंधित किसी भी कार्यक्रम को देखने व सुनने से बचना, खेलकूद या सामाजिक गतिविधियों जैसी सामान्य गतिविधियों से धीरे-धीरे जुड़ना, जब भी बीमारी का विचार आए तो खुद का ध्यान भटकाना और पसंदीदा काम या बातचीत में व्यस्त होना, शांत मन से सोचकर खुद को शांत रखना, मनोचिकित्सक से मनोवैज्ञानिक परामर्श और कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी लेना, तथा आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सक की सलाह अनुसार एंटीडिप्रेसेंट व चिंता-विरोधी दवाएं लेना शामिल है। अपने स्वास्थ्य की देखभाल की चिंता करना एक सामान्य प्रवृत्ति है किंतु जब यह प्रवृत्ति दिनचर्या के कार्यों को नकारात्मक रूप से प्रभावित करने लगे तो उपरोक्त उपायों को अपनाकर इससे मुक्त रह सकते हैं। बताए गए उपायों को अपनाने के बाद भी यदि बीमारी संबंधी दुश्चिंता कम नहीं होती है तो मनोवैज्ञानिक परामर्श लेना चाहिए और आवश्यक होने पर मानसिक रोग विशेषज्ञ से मिलकर उपचार कराना चाहिए। यह लेख वरिष्ठ परामर्शदाता एआरटीसी, एसएस हॉस्पिटल, आईएमएस, बीएचयू, वाराणसी द्वारा रचित है। स्वास्थ्य संबंधी चिंता विकार केवल व्यक्ति के मानसिक संतुलन को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि यह उसके संपूर्ण जीवन की गुणवत्ता को भी गहराई से चोट पहुँचाता है। जब कोई व्यक्ति लगातार अपनी शारीरिक संवेदनाओं पर ध्यान केंद्रित करने लगता है, तो उसका मस्तिष्क हर छोटे बदलाव को खतरे के रूप में देखने के लिए री-वायर हो जाता है। उदाहरण के लिए, सिर में हल्का सा दर्द होने पर एक सामान्य व्यक्ति पानी पीकर या आराम करके उसे ठीक करने की कोशिश करता है, लेकिन हेल्थ एंग्जायटी से पीड़ित व्यक्ति तुरंत यह निष्कर्ष निकाल लेता है कि उसे ब्रेन ट्यूमर हो गया है। यह विचार उसके मन में इतनी तीव्रता से बैठ जाता है कि वह अपनी दैनिक जिम्मेदारियों को छोड़कर उस बीमारी के बारे में सोचने में ही पूरा दिन बिता देता है। इस स्थिति को चिकित्सा विज्ञान में कैटास्ट्रोफिक थिंकिंग यानी सबसे बुरे परिणाम की कल्पना करना कहा जाता है। आधुनिक तकनीक और स्मार्टफोन की सुलभता ने इस समस्या को और अधिक भयानक रूप दे दिया है। जब कोई व्यक्ति अपने लक्षणों को इंटरनेट पर सर्च करता है, तो एल्गोरिदम अक्सर सबसे गंभीर और दुर्लभ बीमारियों को पहले दिखाता है। इसे पढ़कर व्यक्ति का भय कई गुना बढ़ जाता है, जिससे उसके शरीर में एड्रेनालाईन और कोर्टिसोल जैसे स्ट्रेस हार्मोन्स का स्राव होने लगता है। ये हार्मोन्स वास्तव में दिल की धड़कन बढ़ाने, मांसपेशियों में खिंचाव और सांस फूलने जैसे लक्षण पैदा करते हैं। व्यक्ति इन लक्षणों को अपनी काल्पनिक बीमारी का सबूत मान लेता है और इस तरह चिंता और शारीरिक लक्षणों का एक अंतहीन दुष्चक्र शुरू हो जाता है। इस विकार से उबरने में परिवार और मित्रों की भूमिका बेहद संवेदनशील होती है। अक्सर देखा जाता है कि जब मरीज बार-बार अपनी बीमारी की बात करता है, तो घर के लोग चिढ़ जाते हैं या उसे नाटक करने वाला समझने लगते हैं। परिजनों को यह समझना होगा कि मरीज का डर झूठा नहीं है, वह वास्तव में उस घबराहट को महसूस कर रहा होता है। इसलिए उसे डांटने के बजाय सहानुभूतिपूर्वक सुनना चाहिए और उसे चिकित्सा परामर्श के लिए प्रेरित करना चाहिए। मरीज को बार-बार यह आश्वासन देना भी दीर्घकालिक रूप से हानिकारक हो सकता है, क्योंकि इससे उसकी आश्वासन पाने की आदत और पक्की हो जाती है। इसके स्थान पर, मरीज को अपनी सोच पर सवाल उठाना सिखाया जाना चाहिए। कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी यानी सीबीटी इस विकार के इलाज में सबसे कारगर साबित होती है। इसके तहत थिरेपिस्ट मरीज को यह पहचानने में मदद करते हैं कि कैसे उनके विचार उनके डर को जन्म दे रहे हैं। मरीज को यह सिखाया जाता है कि हर शारीरिक लक्षण का मतलब कोई जानलेवा बीमारी नहीं होता। इसके साथ ही, माइंडफुलनेस और ग्राउंडिंग तकनीकों का अभ्यास कराया जाता है, जिससे मरीज वर्तमान क्षण में जीना सीखता है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

# पाकिस्तान क्रिकेट में बड़ा बदलाव, मिस्बाह-उल-हक ने चयन समिति से दिया इस्तीफा

**एजेंसी, लाहौर**

पाकिस्तान क्रिकेट में इंग्लैंड दौरे के बीच टेस्ट टीम में बड़ा बदलाव किया गया है, जिसके बाद पूर्व कप्तान मिस्बाह-उल-हक ने पुरुष राष्ट्रीय चयन समिति से इस्तीफा देने की पेशकश की है। हालांकि, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अभी उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया है। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार मिस्बाह ने लाहौर स्थित नेशनल क्रिकेट अकादमी में बल्लेबाजी सलाहकार के पद से भी हटने का फैसला लिया है। उनका यह कदम इंग्लैंड के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज के बीच पीसीबी के टीम और कोचिंग स्टाफ में फेरबदल किये जाने के एक दिन बाद आया है। पाकिस्तान तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से पीछे है। लॉर्ड्स में खेले गए दूसरे टेस्ट में उसे 194 रन से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने तीसरे टेस्ट से पहले टेस्ट टीम से सात खिलाड़ियों को रिलीज कर दिया। इनमें मोहम्मद रिजवान, इमाम-उल-हक, सलमान आगा, अली उस्मान, आमेर जमाल, अवैस जफर और खुर्रम शहजाद शामिल हैं। इसके अलावा मुख्य कोच सरफराज अहमद और गेंदबाजी कोच उमर गुल को भी पद से हटा दिया गया।

**टेस्ट टीम में पांच नए चेहरे :** पीसीबी ने पांच अनकैप्ड खिलाड़ियों अराफात मिन्हास, मोहम्मद इमरान जूनियर, साद बैग, मोहम्मद इमरान रंधावा और रजाउल्लाह को टेस्ट टीम में शामिल किया है। इनके अलावा साइम अयूब और अब्दुल्ला फजल भी टीम से जुड़ेंगे। सफेद गेंद की टीम के मुख्य कोच माइक हेसन और गेंदबाजी कोच एश्ले नॉफ्के को टेस्ट टीम के कोचिंग स्टाफ में शामिल किया गया है। तीसरा टेस्ट 9 सितंबर से एजबेस्टन में खेला जाना है।

**पीसीबी में कई भूमिकाएं निभा चुके हैं मिस्बाह :** 2017 में पाकिस्तान के सबसे सफल टेस्ट कप्तानों में शामिल मिस्बाह ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद पीसीबी में कई भूमिकाएं निभाईं। 2019 में उन्हें मुख्य कोच और मुख्य चयनकर्ता की दोहरी जिम्मेदारी सौंपी गई थी। अक्टूबर 2020 में उन्होंने मुख्य चयनकर्ता का पद छोड़ दिया था, जबकि अगले साल मुख्य कोच की जिम्मेदारी से भी इस्तीफा दे दिया। इसके बाद वह पीसीबी से अलग-अलग भूमिकाओं में जुड़े रहे। 2024 में उन्हें पुरुषों की चैंपियंस कप प्रतियोगिता के पांच मेंटर्स में शामिल किया गया था। उन्होंने घरेलू महिला टीमों को भी मेंटर किया। पिछले महीने मुल्तान में आयोजित 50 ओवर की नेशनल चैंपियंस कप में मिस्बाह ने पाकिस्तान गोल्ड टीम को कोचिंग दी थी, जिसने शाहीन अफरीदी की कप्तानी में खिताब जीता।

## क्वीन पार्क ओवल में ब्रावो, पोलार्ड और नरेन के नाम पर स्टैंड, टी20 के तीन दिग्गजों को मिला सम्मान

**एजेंसी, पोर्ट ऑफ स्पेन**

त्रिनिदाद एवं टोबैगो के तीन महान आधुनिक क्रिकेटरों ड्वेन ब्रावो, कीरोन पोलार्ड और सुनील नरेन को उनके शानदार क्रिकेट करियर के लिए खास सम्मान दिया गया है। ऐतिहासिक क्वीन पार्क ओवल में उनके सम्मान में एक स्टैंड का नाम बदलकर 'ब्रावो, पोलार्ड एंड नरेन स्टैंड' कर दिया गया है। क्वीन पार्क क्रिकेट क्लब (क्यूपीसीसी) ने त्रिनिदाद एवं टोबैगो के 64वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सोमवार को इस नए नाम वाले स्टैंड का अनावरण किया। इससे पहले यह स्टैंड 'ट्रिनी पॉस स्टैंड' के नाम से

जाना जाता था। यह सम्मान तीनों खिलाड़ियों के अंतरराष्ट्रीय और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में योगदान के साथ-साथ टी20 क्रिकेट के वैश्विक विकास में उनकी भूमिका को समर्पित है। तीनों खिलाड़ी त्रिनिदाद एवं टोबैगो क्रिकेट की पहचान और दुनिया भर में कैरेबियाई टी20 क्रिकेट के बढ़ते प्रभाव के प्रमुख चेहरों में रहे हैं। क्वीन पार्क ओवल में अब इन तीनों के नाम के साथ त्रिनिदाद एवं टोबैगो के कई दिग्गजों की विरासत भी जुड़ गई है। स्टेडियम में ब्रायन लारा पवेलियन, डेरिक मरे प्लेयर्स गैलरी, जेफ्री स्टॉलमेयर स्टैंड, लियरी कॉन्स्टेंटाइन स्टैंड, गेरी गोमेज मीडिया सेंटर और सिरिल एल. ड्यूप्रे स्टैंड भी हैं। कीरोन पोलार्ड टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा मुकाबले खेलने वाले खिलाड़ी हैं। वह 700 से अधिक टी20 मैच खेल चुके हैं और उनके नाम 14,000 से अधिक रन तथा 330 से ज्यादा विकेट हैं।

## कभी शूटिंग के बारे में नहीं जानती थीं मनीषा, अब एशियन गेम्स में देश के लिए पदक जीतने का है सपना

**एजेंसी, नई दिल्ली**

भारतीय ट्रैप शूटर मनीषा कीर के लिए शूटिंग कभी उनके जीवन की योजना का हिस्सा नहीं थी। भोपाल के पास एक गांव के साधारण परिवार में पली-बढ़ी मनीषा को एक समय तक यह भी पता नहीं था कि शूटिंग नाम का कोई खेल होता है। उनकी बड़ी बहन सोना ने उन्हें इस खेल से परिचित कराया और यहीं से शुरू हुआ सफर उन्हें राष्ट्रीय स्तर से अंतरराष्ट्रीय मंच तक ले गया। अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए मनीषा ने नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) के हवाले से

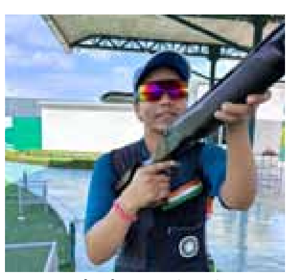

कहा, "मुझे तो पता ही नहीं था कि शूटिंग क्या होती है। मैं सिर्फ क्रिकेट, वॉलीबॉल और फुटबॉल जानती थी। मुझे शूटिंग के बारे में कुछ पता नहीं था और मैंने इसके बारे में कभी सोचा भी नहीं था।" मनीषा की बड़ी बहन सोना खुद भी खिलाड़ी थीं और उन्होंने ही मनीषा को शूटिंग की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया। हालांकि, खेल से जुड़ना उनके लिए आसान नहीं था। सीमित आर्थिक संसाधनों वाले परिवार से आने के कारण उन्हें अपने खेल के लिए कई तरह के समझौते करने पड़े। उन्होंने कहा, "मेरा परिवार मुझे उस तरह से सहयोग करने में सक्षम नहीं था। वे मुझे वह सब कुछ नहीं दे सकते थे जो मैं चाहती थी। मेरे लिए यह बहुत मुश्किल था।" शूटिंग महंगा खेल है और प्रतियोगिताओं के लिए यात्रा के दौरान मनीषा को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ा। महज 18 साल की उम्र में उन्हें अपने खर्चों को लेकर कई बार मुश्किल फैसले लेने पड़ते थे।

## शार्प शूटिंग एकेडमी के निशानेबाज पृथ्वी सिंह तोमर ने बढ़ाया मुरादाबाद का मान

**एजेंसी, मुरादाबाद :** उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में शार्प शूटिंग एकेडमी के होनहार शूटर पृथ्वी सिंह तोमर ने उत्तराखंड के देहरादून में आयोजित नॉर्थ जोन चैंपियनशिप में 355 का स्कोर बनाकर नेशनल के लिए क्वालीफाई किया। इस बड़ी उपलब्धि के बाद पृथ्वी के घर पर खुशी का माहौल है और बधाई देने वालों का तांता लगा

हुआ है। मिठाई बांटकर और आतिशबाजी कर इस ऐतिहासिक पल का जश्न मनाया जा रहा है। पृथ्वी की इस सफलता पर उनकी शार्प शूटिंग एकेडमी मुरादाबाद की कोच अनामिका चौधरी ने भी बहुत खुशी जताई है। उन्होंने मंगलवार को बताया कि पृथ्वी की कड़ी मेहनत, अनुशासन और खेल के प्रति उनके समर्पण ने आज यह मुकाम हासिल कराया है। उन्हें पूरा भरोसा है कि पृथ्वी नेशनल चौंपियनशिप में भी मेडल जीतकर मुरादाबाद और एकेडमी का नाम रोशन करेगा।

## लियोनल मेसी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास

**एजेंसी, ब्यूनस आयर्स**

फुटबॉल जगत के महानतम खिलाड़ियों में शामिल लियोनल मेसी ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास का ऐलान कर दिया है। अर्जेंटीना के कप्तान मेसी ने सोमवार को सोशल मीडिया पर भावुक संदेश साझा करते हुए राष्ट्रीय टीम से विदाई की घोषणा की। 39 वर्षीय मेसी ने करीब दो दशक तक अर्जेंटीना का प्रतिनिधित्व किया और टीम को कई ऐतिहासिक उपलब्धियां दिलाईं। मेसी ने अपने संदेश में कहा कि यह फैसला उनके लिए बेहद दर्दनाक है, लेकिन अब उन्हें लगता है कि सही समय आ गया

है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अर्जेंटीना की जर्सी के लिए हमेशा अपना सब कुछ दिया और देश को फुटबॉल के जरिए खुशी और गर्व देने की कोशिश की। उन्होंने यह भी कहा कि टीम में कई युवा और प्रतिभाशाली खिलाड़ी आ रहे हैं, जो अब राष्ट्रीय टीम के लिए जगह पाने के हकदार हैं। मेसी ने अर्जेंटीना के लिए 207 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले और 125 गोल किए। उनके नेतृत्व में अर्जेंटीना ने 2021 में कोपा अमेरिका और 2022 में कतर विश्व कप का खिताब जीता। 2026 के विश्व कप में भी उन्होंने अर्जेंटीना को फाइनल तक पहुंचाया, जहां टीम को स्पेन के हाथों हार का सामना करना पड़ा। मेसी का संन्यास अर्जेंटीना फुटबॉल के एक स्वर्णिम अध्याय का अंत माना जा रहा है। अब वह राष्ट्रीय टीम को मैदान के बाहर से एक प्रशंसक के रूप में समर्थन देंगे।

# बिजनेस

## सोने की कीमत में गिरावट जारी, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

**एजेंसी, नई दिल्ली**

सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में आज लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की बात करें तो आज ये चमकीली धातु 1,350 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,470 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ती हो गई है। भाव में बदलाव होने की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,56,760 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,56,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,43,690 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।चांदी के भाव में कोई परिवर्तन नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी शुरुआती कारोबार में 2,54,900

रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,56,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,56,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,56,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,43,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,56,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,43,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,56,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,56,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,56,810 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,43,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,56,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,43,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में शुरुआती कारोबार के दौरान मामूली कमजोरी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,56,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,43,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

### एविएशन टर्बाइन फ्यूल के दाम 5.46 फीसदी बढ़े, नई दरें लागू

**एजेंसी, नई दिल्ली ।** सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी के अनुरूप विमान ईंधन यानी एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमत में 5.46 फीसदी का इजाफा किया है। नई दरें मंगलवार से लागू हो गई है। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) के मुताबिक एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमत में इजाफा के बाद अब घरेलू एयरलाइंस के लिए विमान ईंधन का दाम 6,280 रुपये बढ़कर 1,21,280 रुपये प्रति किलोलीटर हो गया है, जो पहले 1,15,000 रुपये प्रति किलोलीटर था। एटीएफ की कीमत में यह बढ़ोतरी 1 अगस्त को 5 रुपये प्रति किलोलीटर की वृद्धि के बाद दोबारा हुई है। इन दो बढ़ोतरी से एयरलाइंस पर आर्थिक बोझ बढ़ेगा, जिनके लिए एटीएफ ऑपरेटिंग लागत का 40 फीसदी तक होता है। एविएशन सेक्टर के जानकारों का कहना है कि एटीएफ में लगातार दो बार बढ़ोतरी से विमानन कंपनियों पर वित्तीय बोझ बढ़ेगा। विमान ईंधन के दाम में हर महीने की पहली तारीख को संशोधन किया जाता है।

## अगस्त में यूपीआई से लेनदेन 29.82 लाख करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर के करीब

**एजेंसी, नई दिल्ली**

देश में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिये अगस्त में 29.82 लाख करोड़ रुपये के लेनदेन हुए। इसी साल मई और जुलाई में यह रिकॉर्ड 29.9 लाख करोड़ रुपये रहा था। अगस्त में यूपीआई के जरिए लेन-देन की संख्या रिकॉर्ड 2,451 करोड़ पर पहुंच गई, जो जुलाई महीने के 2,366 करोड़ से काफी अधिक है। इस साल जून में लेनदेन की संख्या 2,272 करोड़ और मई माह में 2,320 करोड़ रही थी। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों में बताया कि अगस्त में लेनदेन का मूल्य 29.82 लाख करोड़ रुपये रहा, जो एक साल पहले इसी महीने के 24.85 लाख करोड़ रुपये से 20 फीसदी अधिक है। आंकड़ों के अनुसार इसी अवधि में यूपीआई लेनदेन की संख्या सालाना आधार पर 22 फीसदी बढ़कर अगस्त में 2,451 करोड़ हो गई, जबकि पिछले साल इसी महीने में यह 1,963 करोड़ थी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया

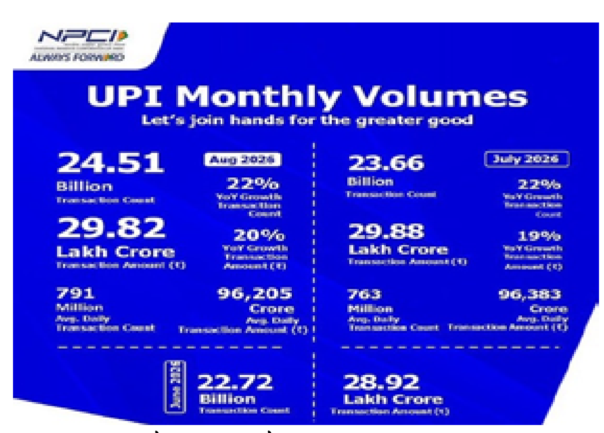


(आरबीआई) और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) की संयुक्त पहल एनपीसीआई भारत में खुदरा भुगतान एवं निपटान प्रणालियों के संचालन के लिए एक शीर्ष संगठन है। ये संयुक्त रूप से यूपीआई का संचालन करता है, जिसका इस्तेमाल लोगों के बीच या खरीदारी के दौरान व्यापारियों के पास वास्तविक समय में भुगतान के लिए किया जाता है। यूपीआई अब 11 देशों में स्वीकार किया जाता है और उज्बेकिस्तान इसमें शामिल होने वाला सबसे नया देश है। अन्य देशों में सिंगापुर, संयुक्त अरब अमीरात, फ्रांस, मॉरीशस, नेपाल, भूटान, कतर, श्रीलंका, कंबोडिया और यूनान शामिल हैं, जहां यूपीआई स्वीकार किया जाता है। देश में यूपीआई की शुरुआत 25 अगस्त, 2016 को हुई थी और तब से इसने भारत के डिजिटल भुगतान परिदृश्य को बदल दिया है। इसका लेनदेन मूल्य वित्त वर्ष 2016-17 के 0.07 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2025-26 में लगभग 314 लाख करोड़ रुपये हो गया, एक दशक में इसमें 4 हजार गुना से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है।

## मधुर निट क्राफ्ट्स ने निवेशकों को दिया झटका, फ्लैट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

**एजेंसी, नई दिल्ली**

कंबल, फैब्रिक, विंटर गारमेंट्स और अन्य टेक्सटाइल उत्पाद तैयार करने वाली कंपनी मधुर निट क्राफ्ट्स लिमिटेड के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में पहले फ्लैट लिस्टिंग और बाद में लोअर सर्किट से अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 100 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी बदलाव के 100 रुपये के स्तर पर ही हुई। फ्लैट लिस्टिंग से निराश निवेशकों को तब और झटका लगा, जब इसकी बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिक्री के कारण थोड़ी देर में ही ये शेयर गिर कर 95 रुपये के लोअर सर्किट पर पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ

निवेशकों प्रति शेयर 5 रुपये यानी 5 प्रतिशत का नुकसान हो गया। मधुर निट क्राफ्ट्स 53.27 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 27 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था।

इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.31 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 100 प्रतिशत सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 44 प्रतिशत सब्सक्रिप्शन आया था। जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.25 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 53,26,800 नए शेयर जारी किए गए हैं। इसमें कोई ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) नहीं है। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी सोलर पैनल का इंस्टॉलेशन कराने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। मधुर निट क्राफ्ट्स की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है।

## पारले बिस्किट्स ने जॉर्ज कोवूर को सीईओ बनाया

**एजेंसी, नई दिल्ली ।** देश की सबसे बड़ी बिस्किट और कन्फेक्शनरी बनाने वाली कंपनी पारले बिस्किट्स ने जॉर्ज कोवूर को मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। पारले-जी, मोनाको, हाइड एंड सीक और मेलोडी जैसे उत्पाद बनाने वाली पारले बिस्कुट ने मंगलवार को जॉर्ज कोवूर को सीईओ नियुक्त करने की घोषणा की।जॉर्ज कोवूर को पेप्सिको के साथ काम करने का तीन दशक से अधिक का अनुभव है। साथ ही उन्होंने उपभोक्ता कारोबार तथा विभिन्न बाजारों में काम किया है। कंपनी ने कहा कि उनकी नियुक्ति एक सितंबर, 2026 से प्रभावी हो गयी है। पारले ने कहा कि कंपनी अपनी टॉप लीडरशिप टीम को मजबूत कर रही है क्योंकि वह विकास के अगले चरण की ओर बढ़ना चाहती है। कंपनी के प्रबंध निदेशक अजय चौहान ने कहा, ''हम जॉर्ज कोवूर का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि पारले की मजबूत नींव को आगे बढ़ाने, अपनी क्षमताओं को मजबूत करने तथा सतत वृद्धि के नए अवसर खोलने के लिए उनके साथ मिलकर काम करने को उत्सुक हैं।'' उन्होंने कहा कि कंपनी विकास के अगले चरण में उनके नेतृत्व और योगदान की उम्मीद कर रही है।

## एबीएच हेल्थकेयर की स्टॉक मार्केट में कमजोर शुरुआत, डिस्काउंट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

**एजेंसी, नई दिल्ली**

अनिल भागी हॉस्पिटल के नाम से हेल्थकेयर सर्विस देने वाली कंपनी एबीएच हेल्थकेयर के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में पहले कमजोर लिस्टिंग और बाद में लोअर सर्किट से अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 102 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज एनएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 2.94 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 99 रुपये के स्तर पर हुई। कमजोर लिस्टिंग से निराश निवेशकों को तब और झटका लगा, जब इसकी बिकवाली शुरू हो गई। लगातार हो रही बिक्री के कारण थोड़ी देर में ही ये शेयर गिर कर 94.05 रुपये के लोअर सर्किट पर

पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों प्रति शेयर 7.95 रुपये यानी 7.79 प्रतिशत का नुकसान हो गया। कंपनी का 34.98 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 27 अगस्त के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.44 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 8.37 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 0.29 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.69 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 34,29,600 नए शेयर जारी किए गए हैं। इसमें कोई ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) नहीं है। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी नए अधिग्रहण करने, पुराने कर्ज के बोझ को कम करने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, आईपीओ के खर्च की भरपाई करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

# कड़क पुलिस अधिकारी बनकर आमने सामने आए करीना और पृथ्वीराज

अभिनेत्री करीना कपूर खान और अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन की आगामी अपराध-रोमांचक फिल्म 'दायरा का ट्रेलर जारी कर दिया गया है। मेघना गुलजार के निर्देशन में बनी यह फिल्म सच्ची घटनाओं से प्रेरित है और अपराध, न्याय, सजा, जवाबदेही तथा समाज की सोच जैसे गंभीर मुद्दों को केंद्र में रखती है। फिल्म 18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। ट्रेलर में करीना कपूर खान पुलिस उपायुक्त अजूनी कोहली और पृथ्वीराज सुकुमारन पुलिस उपायुक्त रमन कुमार की भूमिका में नजर आ रहे हैं। दोनों अधिकारी एक ही मामले की जांच करते हैं, लेकिन अपराध और न्याय को लेकर उनके नजरिए अलग-अलग हैं। जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ती है और मामले से जुड़े नए तथ्य सामने आते हैं, दोनों के बीच मतभेद गहराते जाते हैं। यही टकराव फिल्म की कहानी को रोमांच और तनाव से भरता दिखाई देता है। 'दायरा की कहानी यश केसवानी, सीमा अग्रवाल और मेघना गुलजार ने लिखी है। फिल्म में जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के साथ यह सवाल भी उठाया गया है कि किसी घटना के बारे में पूरी सच्चाई जाने बिना राय बना लेना कितना उचित है। फिल्म दर्शकों को केवल अपराध और उसकी जांच तक सीमित नहीं रखती, बल्कि न्याय को देखने के अलग-अलग नजरियों और समाज की प्रतिक्रियाओं पर भी विचार करने के लिए प्रेरित करती है। ट्रेलर में दोनों पुलिस अधिकारियों के बीच जांच को लेकर बढ़ता तनाव प्रमुखता से दिखाई देता है। एक ओर जहां अजूनी कोहली का किरदार मामले को एक खास दृष्टिकोण से देखता है, वहीं रमन कुमार की सोच और जांच का तरीका अलग है। दोनों की पेशेवर समझ और फैसलों के बीच टकराव कहानी को एक गंभीर और रहस्यपूर्ण रूप देता है। 'दायरा के जरिए करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन पहली बार पर्दे पर एक साथ दिखाई देंगे। दोनों कलाकारों के पुलिस अधिकारियों के किरदारों में अलग-अलग अंदाज और प्रभावशाली अभिनय की झलक ट्रेलर में देखने को मिलती है। फिल्म में जितेंद्र जोशी, क्षिती जोग, कंवलजीत सिंह, संदीप कुलकर्णी और तृप्ति खामकर भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन मेघना गुलजार ने किया है। इससे पहले वह 'तलवार और 'राजी जैसी चर्चित फिल्मों के जरिए गंभीर और संवेदनशील विषयों को पर्दे पर प्रभावी ढंग से प्रस्तुत कर चुकी हैं। 'दायरा के साथ वह एक बार फिर जंगली पिक्चर्स के साथ काम कर रही हैं।

फिल्म का निर्माण जंगली पिक्चर्स और डॉ. जयंतीलाल गाडा के पेन स्टूडियोज ने किया है। इसके वितरण की जिम्मेदारी पेन मरुधर फिल्म संभाल रहा है। 'दायरा का ट्रेलर संकेत देता है कि फिल्म केवल अपराध की गुत्थी सुलझाने वाली कहानी नहीं है। यह दर्शकों के सामने न्याय, सच्चाई और जवाबदेही से जुड़े कई कठिन सवाल भी रखती है। फिल्म यह सोचने के लिए मजबूर करती है कि किसी मामले में उपलब्ध तथ्यों को जाने बिना लोगों की प्रतिक्रिया और बनाई गई राय किस तरह जांच और न्याय की दिशा को प्रभावित कर सकती है। करीना कपूर खान और पृथ्वीराज सुकुमारन की आमने-सामने की भूमिका, मेघना गुलजार का निर्देशन और सच्ची घटनाओं से प्रेरित गंभीर कहानी 'दायरा को सितंबर में प्रदर्शित होने वाली चर्चित फिल्मों में शामिल कर रही है। अब दर्शकों की नजर 18 सितंबर को होने वाले इसके सिनेमाघर प्रदर्शन पर है।

# यमला पगला दीवाना फिर से के 8 साल: कैसे कृति खरबंदा ने देओल परिवार की इस फ्रेंचाइज़ी में बनाई अपनी अलग पहचान

रिलीज़ के आठ साल बाद भी यमला पगला दीवाना फिर से एक ऐसी फिल्म के रूप में याद की जाती है, जिसने देओल परिवार की दमदार मौजूदगी को फ्रेंचाइज़ी के खास हास्य, रोमांस और पारिवारिक मनोरंजन के साथ पेश किया था। इस जानी-पहचानी दुनिया के बीच कृति खरबंदा का किरदार 'चिक्कू एक अलग और ताज़गी भरी ऊर्जा लेकर आई थी, जिसने न सिर्फ दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा, बल्कि अब तक खुद से बांधे रखा है। हालांकि किसी स्थापित फ्रेंचाइज़ी का हिस्सा बनना अपने आप में एक चुनौती होती है। इसमें भी यमला पगला दीवाना सीरीज़ की अपनी एक मजबूत पहचान थी, जिसे धर्मेंद्र, सनी देओल और बॉबी देओल की मौजूदगी ने और भी खास बनाया था। दर्शक पहले से ही फिल्म के बड़े-बड़े हास्य दृश्यों और किरदारों से परिचित थे। ऐसे में कृति ने इस दुनिया में खुद को बेहद सहजता से ढाला और अपनी अलग जगह बनाई। 'चिक्कू के रूप में कृति ने कहानी में नई ताज़गी जोड़ी। उनका किरदार देओल परिवार की मस्तीभरी दुनिया का हिस्सा भी बना और अपनी अलग पहचान भी कायम रख पाया। वह सिर्फ कॉमिक माहौल का हिस्सा बनकर नहीं रहीं, बल्कि अपने अभिनय से किरदार को एक अलग व्यक्तित्व दिया। फिल्म में बॉबी देओल के साथ उनकी केमिस्ट्री भी काफी पसंद की गई। दोनों के बीच की सहज और हल्की-फुल्की नोकझोंक ने रोमांटिक ट्रैक को प्रभावी बनाया। कृति की स्क्रीन प्रेजेंस ने कहानी में गर्मजोशी और आकर्षण जोड़ा, जिससे रोमांस और कॉमेडी का संतुलन बना रहा। फिल्म की बड़ी और मनोरंजक दुनिया में खुद को ढालना भी कृति की एक खास उपलब्धि रही। जहां कहानी में हास्य, अराजक परिस्थितियां और बड़े-बड़े मनोरंजक पल थे, वहीं कृति ने अपने अभिनय की स्वाभाविकता बनाए रखी। उनकी अभिव्यक्तियां और सहज स्क्रीन प्रेजेंस ने 'चिक्कू को दर्शकों के लिए यादगार बना दिया। महत्वपूर्ण बात यह रही कि 'चिक्कू सिर्फ एक रोमांटिक किरदार तक सीमित नहीं थी। कहानी को आगे बढ़ाने में भी उसका योगदान था, जिससे कृति को अपने अभिनय का दायरा दिखाने का मौका मिला। रोमांस, कॉमेडी और कहानी में सक्रिय भागीदारी का यही संतुलन उनके किरदार को खास बनाता है। कृति ने फिल्म के संगीत और विजुअल अपील में भी अहम योगदान दिया। उनकी जीवंत स्क्रीन प्रेजेंस, ऊर्जावान परफॉर्मेंस और आकर्षक स्टाइलिंग ने गानों को और भी मनोरंजक बनाया।

# मिर्जापुरः द मूवी पर सीबीएफसी ने डाली पैनी नजर
## कई बदलावों के बाद दिया ए प्रमाणपत्र

अली फजल और पंकज त्रिपाठी की फिल्म मिर्जापुरः द मूवी अपनी रिलीज से कुछ दिन दूर है। इससे पहले फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के हवाले किया गया, जिसके तहत गैंगस्टर-ड्रामा में कई बड़े बदलाव होने की खबर है। बताया जा रहा है कि बोर्ड ने फिल्म को प्रमाणपत्र सौंपने से पहले निर्माताओं से इसमें कई कट लगाने को कहा। बता दें कि मिर्जापुरः द मूवी का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है, जबकि निर्माता एक्सेल एंटरटेनमेंट है। बॉलीवुड हंगामा के मुताबिक, सेंसर बोर्ड ने फिल्म के दृश्य और ध्वनि पयुक्त बदलाव करके अंतरंग दृश्यों को 50 प्रतिशत कम करने को कहा है। यह बदलाव 2 दृश्यों में किए गए, जो पहले और दूसरे भाग में शामिल हैं। इस तरह 35 सेकंड के अंतरंग दृश्य हटे हैं। फिल्म के पहले भाग में एक शब्द को कमर से बदला गया। दूसरे भाग में लंथ (मूर्ख) शब्द को बदलने के साथ, 4 अपशब्दों को म्यूट किया गया है। बोर्ड ने 6 जगहों पर गालियों को बदला है, लेकिन एक भी हिंसक या खूनी दृश्य को सेंसर नहीं किया है। इन बदलावों के बाद, फिल्म को ए प्रमाणपत्र देकर पास किया गया, जो 18 साल से ज्यादा उम्र वालों के लिए देखने योग्य होगी। इसकी कुल अवधि 197.19 मिनट यानी, यह 3 घंटे, 17 मिनट और 19 सेकंड बताई गई है। मिर्जापुरः द मूवी 4 सितंबर को सिनेमाघरों में आएगी। इसमें रवि किशन और दिव्येंदु समेत कई कलाकार हैं।

# 'इरुमुडी का जलवा बरकरार, दूसरे रविवार को कमाए 15 करोड़, 'विश्वनाथ एंड सन्स की कमाई में भी तेजी

रविवार को एक बार फिर सिनेमाघरों में फिल्मों की कमाई में अच्छी हलचल देखने को मिली। रवि तेजा की 'इरुमुडी ने दूसरे रविवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए 15 करोड़ रुपये का कारोबार किया। वहीं इमरान हाशमी की 'आवारापन 2, सूर्या की 'विश्वनाथ एंड सन्स और बाबा नीम करौली पर आधारित 'हनुमान अंश ने भी अपने-अपने प्रदर्शन के अनुसार दर्शकों को सिनेमाघरों तक खींचने में सफलता हासिल की। रवि तेजा की फिल्म 'इरुमुडी बॉक्स ऑफिस पर लगातार मजबूत प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने पहले सप्ताह में 92.15 करोड़ रुपये का कारोबार किया था। इसके बाद आठवें दिन फिल्म ने 10.10 करोड़ रुपये और नौवें दिन 12.30 करोड़ रुपये की कमाई की।

सैकनिल्क की शुरुआती रुझान रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म ने रिलीज के 10वें दिन यानी दूसरे रविवार को कमाई में अच्छी तेजी दर्ज की और करीब 15 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही भारत में फिल्म की 10 दिनों की कुल शुद्ध कमाई 129.55 करोड़ रुपये पहुंच गई है। इमरान हाशमी की 'आवारापन 2 तीसरे सप्ताहांत में भी बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए हुए है। फिल्म ने पहले सप्ताह में 113.50 करोड़ रुपये की कमाई की थी। इसके बाद दूसरे सप्ताह में फिल्म ने 30.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म ने रिलीज के 15वें दिन 1.20 करोड़ रुपये और 16वें दिन 1.25 करोड़ रुपये कमाए। सैकनिल्क की शुरुआती रुझान रिपोर्ट के अनुसार, रिलीज के 17वें दिन यानी तीसरे रविवार को 'आवारापन 2 ने 1.40 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इसके साथ ही फिल्म की भारत में 17 दिनों की कुल शुद्ध कमाई 148.10 करोड़ रुपये हो गई है। सूर्या की 'विश्वनाथ एंड सन्स भी बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है। फिल्म के तीसरे सप्ताहांत में कमाई में उल्लेखनीय तेजी देखने को मिली। फिल्म ने पहले सप्ताह में 81.60 करोड़ रुपये का कारोबार किया था, जबकि दूसरे सप्ताह में इसकी कमाई 27.55 करोड़ रुपये रही। रिलीज के 15वें दिन फिल्म ने 1.70 करोड़ रुपये और 16वें दिन 2.61 करोड़ रुपये कमाए। शुरुआती रुझान रिपोर्ट के मुताबिक, 17वें दिन यानी तीसरे रविवार को 'विश्वनाथ एंड सन्स ने 2.55 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इस तरह 17 दिनों में फिल्म की भारत में कुल शुद्ध कमाई 116 करोड़ रुपये हो गई है। बाबा नीम करौली के जीवन पर आधारित फिल्म 'हनुमान अंश ने चौथे सप्ताहांत में भी बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया। फिल्म ने चौथे रविवार को अपने प्रदर्शन का अब तक का सबसे बड़ा एकदिवसीय कारोबार दर्ज किया। सैकनिल्क की शुरुआती रुझान रिपोर्ट के मुताबिक, रिलीज के 24वें दिन यानी चौथे रविवार को 'हनुमान अंश ने 12.75 करोड़ रुपये की कमाई की। शनिवार को फिल्म ने 9.25 करोड़ रुपये का शुद्ध कारोबार किया था। इसके मुकाबले रविवार को फिल्म की कमाई में 37.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। रविवार की कमाई के साथ फिल्म की भारत में कुल शुद्ध कमाई अब 40.13 करोड़ रुपये हो गई है। रविवार के शुरुआती आंकड़ों से पता चलता है कि इन चारों फिल्मों की बॉक्स ऑफिस पर अलग-अलग स्तर पर पकड़ बनी हुई है। 'इरुमुडी दूसरे सप्ताह में भी मजबूत कमाई कर रही है, जबकि 'आवारापन 2 और 'विश्वनाथ एंड सन्स तीसरे सप्ताह में दर्शकों को आकर्षित कर रही हैं। वहीं 'हनुमान अंश ने चौथे रविवार को कमाई में बड़ी छलांग लगाकर अपनी मजबूत स्थिति दर्ज कराई है।

# हेली शाह नए अवतार में दर्शकों के सामने आने को तैयार

अभिनेत्री हेली शाह अब एक बिल्कुल नए अवतार में दर्शकों के सामने आने को तैयार हैं। टेलीविजन और ओटीटी प्लेटफॉर्म पर अपने सशक्त और गंभीर किरदारों के माध्यम से एक विशिष्ट पहचान बनाने वाली अभिनेत्री की आगामी वेब सीरीज़ चुंबक उन्हें पहली बार कॉमेडी की दुनिया में प्रवेश करते हुए दिखाएगी। हालांकि, इस नए जॉनर को एक्सप्लोर करना उनके लिए चुनौती भरा रहा, लेकिन शो के राइटर-डायरेक्टर आतिश कपाड़िया के अटूट विश्वास और भरोसे ने उन्हें इस चुनौती को स्वीकार करने और अपने अभिनय के एक ऐसे अनदेखे पहलू को खोजने में मदद की, जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं आजमाया था। अपने इस अनूठे अनुभव के बारे में बात करते हुए हेली ने कहा, "यह पहला मौक़ा है जब मैं कॉमेडी कर रही हूं। मैंने अपने करियर में पहले कभी कॉमेडी नहीं की। और मैं सच कहूँ तो मैं बहुत नर्वस थी, मुझे बिल्कुल यकीन नहीं था कि मैं इसे सफलतापूर्वक कर पाऊँगी। मुझे लग रहा था कि शायद मैं इस जॉनर के लिए फिट नहीं हूँ।" उन्होंने अपनी बात जारी रखते हुए कहा, सच कहूँ, तो अब मुझे लगता है कि यह अतिश सर का मुझ पर अटूट भरोसा और विश्वास ही था, जिसने मुझे यह करने की हिम्मत दी। मैं बहुत खुश हूं कि उन्होंने मेरे अंदर वह क्षमता और चमक देखी, क्योंकि मैं सच में सेट पर खुद को पूरी तरह सरेंडर करके गई थी। मुझे नहीं पता था कि यह कैसा होगा और मैं क्या करूंगी।" यह दर्शाता है कि वह अपनी सीमाएं तोड़ने और निर्देशक के मार्गदर्शन में काम करने के लिए कितनी उत्सुक थीं। गौरतलब है कि हेली के लिए यह अनुभव सिर्फ एक नए जॉनर को आजमाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उनके लिए अपने अभिनय के एक अनदेखे पहलू को खोजने का मौका भी बन चुका है, जिसमें आतिश कपाड़िया ने एक मार्गदर्शक के रूप में उनकी मदद की। इस सिलिसले में हेली कहती हैं, "उन्होंने एक अभिनेत्री के तौर पर मुझे अपने एक ऐसे हिस्से को गहराई से एक्सप्लोर करने में सहायता की, जिसके अस्तित्व से मैं स्वयं अनभिज्ञ थी। मुझे सच में कभी नहीं लगा था कि मैं कॉमेडी भी कर सकती हूँ। मुझे हमेशा लगता था कि मैं सिर्फ गंभीर या भावनात्मक भूमिकाओं के लिए ही बनी हूँ। और इसके लिए मैं सर की हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने मेरे अंदर की उस कॉमेडियन को बाहर निकाला।" हेली के अनुसार, आतिश कपाड़िया का मार्गदर्शन और उनके प्रति उनका विश्वास ही था जिसने उन्हें अपनी झिझक को दूर करने और कैमरे के सामने स्वाभाविक रूप से हास्य प्रस्तुत करने में मदद की। चुंबक के साथ हेली शाह न सिर्फ एक नए जॉनर में कदम रख रही हैं, बल्कि एक अभिनेत्री के तौर पर अपने व्यक्तित्व के एक नए, अप्रत्याशित आयाम को भी उजागर कर रही हैं।

# उर्फी जावेद की अस्पताल की तस्वीरों से फैंस चिंतित

मॉडल उर्फी जावेद की कुछ कथित अस्पताल तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उनके प्रशंसक चिंतित हो गए हैं। उर्फी जावेद की वायरल तस्वीरों में वह अस्पताल के बिस्तर पर नजर आ रही हैं, जबकि एक तस्वीर में उनके हाथ में आईवी कैनुला भी दिखाई दे रहा है। हालांकि, उर्फी जावेद या उनकी टीम की ओर से उनके अस्पताल में भर्ती होने अथवा किसी स्वास्थ्य संबंधी कारण को लेकर आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों को उर्फी जावेद की इंस्टाग्राम स्टोरी के स्क्रीनशॉट बताया जा रहा है। इन तस्वीरों में वह अस्पताल के कमरे में नजर आ रही हैं। एक तस्वीर के साथ कथित तौर पर उन्होंने अस्पताल में अपने नियमित या वार्षिक प्रवेश से जुड़ी हल्की-फुल्की टिप्पणी की थी। दूसरी तस्वीर में उनके हाथ में आईवी कैनुला दिखाई दिया, जिसके साथ उन्होंने इसे सबसे खराब बात बताया। एक अन्य तस्वीर में वह अस्पताल के बिस्तर पर लेटी नजर आईं और एनेस्थीसिया को लेकर मजाकिया अंदाज में प्रतिक्रिया दी। हालांकि, इन तस्वीरों को लेकर स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। उर्फी के सोशल मीडिया अकाउंट पर संबंधित स्टोरीज फिलहाल दिखाई नहीं दे रही हैं। ऐसे में यह भी संभावना जताई जा रही है कि स्टोरीज हटा दी गई हों या उनकी निर्धारित समय-सीमा समाप्त हो गई हो। आधिकारिक बयान नहीं आने के कारण अस्पताल में भर्ती होने की वजह को लेकर किसी तरह की पुष्टि नहीं की जा सकी है। उर्फी जावेद इससे पहले भी अस्पताल से जुड़ी तस्वीरें साझा कर चुकी हैं। वर्ष 2024 में भी वह अस्पताल में भर्ती हुई थीं और उस समय उन्होंने ऑक्सीजन मास्क लगाए हुए अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। इस बार सामने आई तस्वीरों के बाद भी उनके प्रशंसक सोशल मीडिया पर उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं और उनकी स्थिति के बारे में जानकारी का इंतजार कर रहे हैं। इस बीच उर्फी जावेद अपनी रचनात्मक फैशन शैली को लेकर भी लगातार सुर्खियों में हैं। सोशल मीडिया पर सक्रिय उर्फी ने हाल ही में एक ऐसा वीडियो साझा किया था, जिसमें वह बीयर के कैन से तैयार की गई अनोखी पोशाक के साथ नजर आईं।

# बच्चों की डाइट में प्रोटीन शामिल करने के लिए अपनाएं ये तरीकें

बच्चों के लिए प्रोटीन बहुत जरूरी होता है। यह उनके शरीर और दिमाग के विकास में अहम भूमिका निभाता है। प्रोटीन से भरपूर डाइट बच्चों की मांसपेशियों को मजबूत बनाती है और उनकी बीमारियों से लडने की ताकत को भी बढ़ाती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और असरदार तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपने बच्चे के खाने में प्रोटीन जोड़ सकते हैं। इन तरीकों से न केवल आपका बच्चा सेहतमंद रहेगा, बल्कि उसका विकास भी अच्छा होगा। दूध और डेयरी उत्पाद प्रोटीन का बढिय़ा स्त्रोत होते हैं। बच्चों को रोजाना एक गिलास दूध पिलाने की आदत डालें। इसके अलावा दही और पनीर जैसे डेयरी उत्पाद भी उनके खाने में शामिल करें। ये न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि इनमें हड्डियों के लिए जरूरी तत्व भी होते हैं। अगर आपका बच्चा दूध नहीं पीता तो उसे मिल्क शेक या स्मूदी के रूप में पेश करें, जिससे वह आसानी से दूध और अन्य पोषक तत्व ले सके। दालें और फलियां प्रोटीन का एक अहम स्त्रोत मानी जाती हैं, जो शाकाहारी

बच्चों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होती हैं। इनका उपयोग करके आप सूप, सलाद या फिर सब्जी जैसे कई प्रकार के व्यंजन बना सकते हैं। इनका सेवन करने से बच्चे को भरपूर प्रोटीन मिल सकता है और उनकी ऊर्जा भी बढ़ सकती है। दालें और फलियों में मौजूद अन्य पोषक तत्व भी बच्चों के स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं। सूखे मेवे और बीजों में भी प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है, इसलिए इन्हें बच्चों के खाने में शामिल करना फायदेमंद हो सकता है। बादाम, अखरोट और काजू आदि न केवल स्वादिष्ट होते हैं, बल्कि इनमें स्वस्थ वसा भी होती है, जो बच्चे के दिमाग के विकास के लिए जरूरी होती है। इसके अलावा चिया बीज और अलसी के बीज जैसे बीजों का उपयोग करके आप स्मूदी या फिर दही में मिला सकते हैं, जिससे बच्चे को प्रोटीन मिलता रहेगा।

### सोयाबीन जैसे विकल्प भी हैं उपयोगी

सोयाबीन एक ऐसा विकल्प है, जो शाकाहारी बच्चों को भरपूर प्रोटीन दे सकता है। इसे कई प्रकार से पकाकर खाया जा सकता है, जैसे टोफू और सोया चंक्स आदि। आप इसे उनकी रोजाना के पसंदीदा व्यंजनों में मिला सकते हैं या इससे बनने वाला दूध भी पीने को दे सकते हैं। इन सभी तरीकों से आप आसानी से अपने बच्चे को पर्याप्त मात्रा में प्रोटीन दे सकते हैं, जिससे उसका संपूर्ण विकास हो सकेगा।

# Know Manoj Dwivedi, Delhi's top bureaucrat who doesn't hesitate to say sorry for civic lapses

**New Delhi, Agency:** Manoj Kumar Dwivedi has been at the helm of the New Delhi Municipal Council (NDMC) for less than a month, but the 1997-batch IAS officer has already done something unusual for a senior bureaucrat: publicly accepting responsibility when the civic system under him failed to deliver, and acting on it.

The clearest example came after heavy rain on August 25 left several parts of the NDMC area waterlogged.

Dwivedi did not blame the rain. He apologised.

"I sincerely apologise to everyone in NDMC area who faced difficulties due to water logging instances on 25th August 2026," he wrote on X, acknowledging that more than 72 mm of rain had fallen in less than two hours. But, he added, the rain "cannot be an excuse".

At three or four locations, water took more than an hour to drain, against the usual 15 to 20 minutes. Dwivedi promised short- and long- term measures to strengthen the drainage response.

The episode offered an early indication of how the new NDMC chairman intends to run the civic body. He has chosen social media as one of his channels for hearing complaints directly from residents.

"If I go by what is reported to me by officials, I may not get the real picture," he said, explaining that citizens, rather

than officials, should set the benchmark for the civic body.

That approach has extended beyond waterlogging. When complaints emerged about public and community toilets, Dwivedi again acknowledged the problem instead of shifting responsibility.

"Situation of many Public Toilets/Community toilets in NDMC area is not satisfactory. It needs lots of improvements," he wrote on Sunday, adding that a system was being put to address the shortcomings.

He later posted, "Somethings are moving. But long way to go...", while the NDMC's official account showed cleaning and repair work under the description "Action taken".

His recent interventions have also covered road cleaning, dust, littering and civic beautification. The council is preparing a standard operating procedure for improved cleaning of roads and public spaces, with pressure-jet water cleaning and mechanised sweeping being considered as part of a more institutionalised system.

## Public toilets in Delhi need 'significant improvement', admits NDMC chairman

**New Delhi, Agency:** Public toilets in parts of the New Delhi area need significant improvement, and the New Delhi Municipal Council (NDMC) is working to put a system in place to address the problem, its chairman Manoj Kumar Dwivedi has acknowledged. In a post on X, Dwivedi said the condition of several public and community toilets under the civic body's jurisdiction was "not satisfactory" and acknowledged that fixing the problem would take time.

"The situation of many public and community toilets in the NDMC area is not satisfactory. It needs lots of improvements...will take time to deal with this, but it will be done. Have already started working on this to put a system in place," he wrote.

The public acknowledgement comes days after Dwivedi apologised over waterlogging reported at several locations in the New Delhi area, putting the spotlight on the functioning of civic services in the Capital's

administrative heart.Taken together, the posts present an unusual picture of a senior civic official publicly acknowledging shortcomings in services under his administration while also assuring residents that corrective measures are being initiated. Rather than attributing the problems solely to operational difficulties, Dwivedi has repeatedly accepted responsibility for shortcomings and indicated that remedial work is underway.

# IHC Launches 35mm Film Club with Special Screening of Kranti Reel Magic - Looking Back With Nostalgia

**New Delhi, Agency:** India Habitat Centre (IHC) has launched the IHC 35mm Film Club, a first-of-its-kind initiative in the country dedicated to celebrating and keeping alive the experience and heritage of watching cinema on celluloid. The launch brought together distinguished guests from the world of cinema and the arts, including Shri Santosh Anand, the renowned lyricist behind some of Hindi cinema's most memorable songs, including Zindagi Ki Na Toote Ladi (Kranti, 1981), Ek Pyaar Ka Nagma Hai (Shor, 1972) and Main Na Bhoolunga (Roti Kapda Aur Makaan, 1974), among many others.

Marking the month of Independence, the inaugural screening featured Manoj Kumar's iconic film Kranti (1981) in its original 35mm format. The screening offered audiences a rare opportunity to experience cinema as it was originally meant to be seen on film, the gentle flicker of the projector, the distinctive texture and grain of the image, the warmth of its colours, and the unmistakable nostalgia of celluloid.

The occasion was particularly significant for India Habitat Centre, which is among the few insti-

tutions in the country that continue to operate its 35mm projectors. The same projectors marked the beginning of IHC's film journey 28 years ago, making the launch both a celebration of its cinematic legacy and a renewed commitment to keeping the experience of film alive for future generations.Speaking at the launch, Prof. (Dr.) K. G. Suresh, Director, India Habitat Centre, said _"It is a moment of immense pride for India Habitat Centre to launch what is perhaps the country's first

# BJP to launch awareness campaign against drug abuse

**New Delhi, Agency:** The Delhi BJP will launch an awareness campaign against drug abuse at the district, Assembly constituency and booth levels across the Capital, Delhi BJP president Harsh Malhotra said on Sunday after listening to Prime Minister Narendra Modi's 137th 'Mann Ki Baat' programme.

The programme was collectively listened to at 6,339 locations across Delhi by BJP leaders, elected representatives, party workers, RWA members and local residents. Highlighting the Prime Minister's call for a drug-free India, Malhotra said, "PM Modi raised one of the most important issues today - 'Drug-Free Youth, Drug-Free India'. The 'Drug-Free Youth for Developed India' campaign is gaining momentum across the country.

He said, "The Delhi BJP will take this resolve to the ground, and across Delhi, we will conduct awareness campaigns against drugs at every district, Assembly constituency and booth level."

Malhotra said seminars in schools and colleges, sports competitions and youth gatherings would also be organised to connect young people with sports, culture and service.

On women's empowerment, Malhotra highlighted the Prime Minister's reference to the Pradhan Mantri SVANidhi scheme and said the party would further assist women from the general category in Delhi. "The Delhi BJP will further assist women from the general category in Delhi with digital transactions, banking and marketing so that they become stronger and more empowered." He also appealed to Delhi residents to purchase "Made in India" and "Made in Delhi" products during the upcoming festive season. Calling on party workers to take the Prime Minister's message to the grassroots, Malhotra said, "I appeal to all Delhi BJP workers to go from street to street with the Prime Minister's message. Let us all become partners in building a drug-free, self-reliant and developed Delhi."After the programme, Malhotra planted a sapling under the "Ek Ped Maa Ke Naam" initiative.BJP national vice-president Baijayant Jay Panda, who attended the event at Sadiq Nagar.

# 'BJP thinks it is bigger than RSS, it should listen to Mohan Bhagwat': CJP leader Abhijeet Dipke

**New Delhi, Agency:** Cockroach Janta Party (CJP) leader Abhijeet Dipke on Sunday urged the BJP to "listen to RSS chief Mohan Bhagwat", accusing the ruling party of believing that it had grown bigger than the organisation.

Dipke's remarks came after Bhagwat, while addressing an event in New York, said that a Hindu who believes Muslims should not live in Bharat cannot be considered a Hindu.

Dipke also criticised Prime Minister Narendra Modi over his reported use of the term "Dimagi Naxal" for protesting Gen Z.

"I have been saying this from the beginning that the BJP should listen to Mohan Bhagwat. After being in power for 12 years and having so many agencies in its hands, BJP is thinking that it has grown bigger than the RSS," Dipke said.- PTI_News (@PTI_News)

He said Bhagwat had earlier cautioned against calling protesting Gen Z youths "anti-national", but Prime Minister Narendra Modi used the term "Dimagi Naxal"."But the PM (Narendra Modi) came up with a new word, 'Dimagi Naxal'. It clearly shows that the PM is not listening to Mohan Bhagwat," Dipke said. He added that while the RSS chief speaks about inclusivity and respecting children, the use of such terms by the prime minister "doesn't look good" "They should at least listen to Mohan Bhagwat who is their mentor... they (BJP) are in power because of the RSS," Dipke said.Dipke also rejected suggestions that activist Sonam Wangchuk's comments about CJP leaders indicated that they had political ambitions. Responding to a question about Wangchuk's interview with a YouTube channel, Dipke said the activist's remarks had been distorted.

"He was asked whether Sourav (Das) and Ashutosh (Ranka) are having any ambitions. Wangchuk said that we are talented and good leaders and have not been corrupt till now. We have run the agitation honestly," Dipke said. "He has spoken good things about us," he added. What Bhagwat said in New York

Addressing the 'One World One Humanity' event in New York, Bhagwat said different religions may follow different paths, but humanity and truth remain one.

## PM Modi likely to hold bilateral talks with Iranian president

**New Delhi, Agency:** PM Narendra Modi may have a bilateral meeting with Iranian President Masoud Pezeshkian on the sidelines of the SCO summit in Kyrgyzstan Monday, official sources said. While Modi landed in Bishkek Sunday, the president was scheduled to arrive Monday morning, according to reports from Tehran.

Sources said efforts were on to schedule a meeting between the leaders Monday. This would be the first in-person meeting between Modi and Pezeshkian since the start of the US-Israel war with Iran on Feb 28.

The two, in fact, had last met on the margins of the Brics summit in Russia's Kazan in 2024. However, both have spoken with each other on several occasions, including after the West Asia conflict erupted, with Modi stressing

the India remains a friend of Iran. Pezeshkian is also likely to visit India for the Brics summit next month.If it happens, the meeting will see Modi reiterate India's position that all issues must be resolved through dialogue and diplomacy. He's also expected to highlight India's focus on ensuring the safety and well being of Indian nationals in the region, along with the importance of unhindered transit of energy and goods. The two will also discuss trade, energy and connectivity ties that have come under strain because of the expiry of US sanctions waiver for the Chabahar port.

## Sanskrit's living cultural legacy celebrated

**New Delhi, Agency:** Sanskrit chants resonated through the Vande Mataram auditorium at Delhi University's Faculty of Arts on Sunday as the grand 'Sanskrit Mahotsav-2026' concluded, marking the culmination of Sanskrit Week with a celebration of Indian knowledge systems, cultural heritage and linguistic traditions.

The event was jointly organised by the Delhi Sanskrit Academy, Government of Delhi and Sanskrit Bharti (Delhi Province).Jayprakash Gautam, All India Organisational Secretary of Sanskrit Bharti, was the keynote speaker, while Prof. Shrinivasa Varkhedi, Vice-Chancellor of Central Sanskrit University, presided over the event. Kaushal Kishore Tiwari and Dheeraj Kumar attended as special guests.

Addressing the gathering, Gautam highlighted the continuing relevance of Sanskrit and said the language should not be viewed merely as a relic of the past. He called for greater public participation in promoting Sanskrit, linking its wider use with social and cultural transformation.

Prof Varkhedi emphasised the need to connect traditional Sanskrit knowledge with modern science and technology. He also announced a nationwide campaign under the banner "Mama Bhasha Sanskritam", which aims to reach 10 crore citizens ahead of the census.

The campaign will seek to highlight Sanskrit's enduring presence and influence globally, including in regions such as Bali in Indonesia.

# Wangchuk: CJP leaders no saints have political ambitions

**New Delhi, Agency:** Activist Sonam Wangchuk has said the leaders of the Cockroach Janta Party (CJP) have political ambitions, but maintained that there was nothing wrong with aspiring to enter politics as long as the student movement they led remained free of political agendas.

Wangchuk (59) said he formed this assessment while working closely with CJP leaders Abhijeet Dipke, Saurav Das and Ashutosh Ranka during their nearly two-month protest at Jantar Mantar in Delhi, seeking the ouster of Dharmendra Pradhan as Education Minister.

"As far as their political ambitions are concerned, I think they do have political ambitions. I have assessed them quite closely. And perhaps there is nothing wrong with that either. They did not tell me that they have political ambitions. This is my assessment of them. They are not saints who do not want anything out of this," Wangchuk said in a podcast with a YouTuber.

He said critics had pointed out to him that Dipke had previously worked with the Aam Aadmi Party when he joined the movement. Wangchuk said this did not concern him, as having worked with a political party in the past was not wrong.

During the protest, Wangchuk said he repeatedly told the leaders that any future political ambitions should not influence the student platform.

Throughout the time I was on that stage, I kept telling them that any of you may have political ambitions, and it is actually a good thing to have young and emerging leaders. But maintain the sanctity of this platform. Keep it neutral, apolitical and a pressure group, because that way you will be

able to achieve much more," he said.

Wangchuk said he was pleased that they maintained that distinction. "If you start your career by taking up such issues, I think that is a good thing," he said.

Wangchuk has also taken a cheeky dig at actor Aamir Khan's claim that he did not know him when 3 Idiots was being made, pointing to an old video that appears to show the two meeting.Wangchuk made the remark while speaking to the YouTuber, following his hunger strike during the student protest in Delhi.

The exchange centred on the long-standing belief that the character Phunsuk Wangdu in Rajkumar Hirani's 3 Idiots was inspired by Wangchuk. Aamir had said he was not aware of the Ladakhi activist when the film was being made. He also said neither Hirani nor writer Abhijat Joshi knew about Wangchuk at the time.

Wangchuk, however, recalled an interaction between the two and referred to an old video showing Aamir at an event where Wangchuk was also present.

He joked that Aamir may have forgotten the meeting because the actor was dressed as his character from Ghajini at the time.